वर्ष 24, अंक 277, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज सोमवार 14 अप्रैल 2025 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

'मुर्शिदाबाद में कट्टरपंथियों से बच कर भागे 400 से ज्यादा हिंदू'

वक्फ कानून पर भड़की हिंसा को लेकर बोले सुवेंदु अधिकारी

पश्चिम बंगाल : भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता सुवेंदु अधिकारी ने रविवार (13 अप्रैल, 2025) को दावा किया कि वक्फ कानून को लेकर हुई हिंसा के बाद पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के धुलियान से 400 से अधिक हिंदुओं को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है. इस घटना में 3 लोगों की मौत का दावा भी किया गया है. सुवेन्दु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाया. उनका कहना है कि ममता बनर्जी की पार्टी ने कट्टरपंथी तत्वों को बढ़ावा दिया है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, "धार्मिक रूप से प्रेरित कट्टरपंथियों के डर से धुलियान, मुर्शिदाबाद के 400 से अधिक हिंदुओं को नदी पार भागने और पार लालपुर हाई स्कूल, देवनापुर-सोवापुर जीपी, बैष्णबनगर, मालदा में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा." इस पोस्ट में उन्होंने कुछ लोगों की तस्वीरें और वीडियो भी शेयर किए हैं. बीजेपी नेता ने जिन लोगों के फोटो और वीडियो शेयर किए हैं, उनमें से एक शख्स ने दावा किया कि उसका घर जला दिया गया था ।और पुलिस अधिकारियों ने मदद के लिए कुछ नहीं किया, बल्कि घटनास्थल से भाग गए. उन्होंने इलाके में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ-साथ जिला और राज्य पुलिस से लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बंगाल बीजेपी का यूसुफ पठान और ममता बनर्जी पर तीखा हमला

सांसद चाय की चुस्की ले रहे हैं और राज्य खून से लथपथ है

पश्चिम बंगाल : पठान की पोस्ट को लेकर बंगाल बीजेपी ने ममता बनर्जी और उनकी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। बंगाल बीजेपी ने एक्स हैंडल पर घिबली स्टाइल की फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'मालदा-मुर्शिदाबाद में हिंदुओं की हत्या हो रही है और टीएमसी के यूसुफ पठान चाय के साथ ऐसे पोज दे रहे हैं जैसे छुट्टी मना रहे हों। सांसद चाय पी रहे हैं और राज्य खून से लथपथ है।' पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद समेत कई इलाकों में हुई हिंसा में एक तरफ तीन लोगों की मौत हो गई है और संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है, वहीं दूसरी तरफ राज्य सरकार के सांसद यूसुफ पठान अपनी ही दुनिया में खोए हुए हैं। हिंसा के एक दिन बाद, पठान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर चाय पीते हुए अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिस पर विवाद खड़ा हो गया। भाजपा ने रविवार को पठान की पोस्ट को लेकर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी पर निशाना साधा है। दरअसल, पठान ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'आरामदायक दोपहर, अच्छी चाय और शांत माहौल। बस इस पल का आनंद ले रहे हैं।' पठान बहरामपुर से तृणमूल सांसद हैं। उनके जिले के कई हिस्सों में वक्फ एक्ट को लेकर अशांति है। यही वजह है कि उनकी तस्वीरों पर विवाद खड़ा हो गया। पठान की पोस्ट को लेकर बंगाल बीजेपी ने ममता बनर्जी और उनकी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। बंगाल बीजेपी ने एक्स हैंडल पर घिबली स्टाइल की

- **पठान ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'आरामदायक दोपहर, अच्छी चाय और शांत माहौल।**

फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'मालदा-मुर्शिदाबाद में हिंदुओं की हत्या हो रही है और टीएमसी के यूसुफ पठान चाय के साथ ऐसे पोज दे रहे हैं जैसे छुट्टी मना रहे हों। ये है ममता का बंगाल - जहां आयातित सांसद चाय पी रहे हैं और राज्य खून से लथपथ है। अपमान काफी नहीं है। ये दिनदहाड़े विश्वासघात है।'
इस तस्वीर में ममता और पठान जलते बंगाल में खड़े होकर चाय पी रहे हैं। वहीं

दूसरी तस्वीर में ममता चाय पीते हुए और टीवी पर जलते बंगाल की खबरें देखते हुए नजर आ रही हैं।

धुलियान से भागकर मालदा पहुंचे कई हिन्दू परिवार, स्कूल में ली शरण

भारतीय जनता पार्टी के नेता सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को इस घटना के कुछ वीडियो शेयर किए और ममता सरकार पर तीखा हमला बोला। अधिकारी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'धर्मांध कट्टरपंथियों के डर से मुर्शिदाबाद के धुलियान से 400 से अधिक हिंदू नदी पार कर पार लालपुर हाई स्कूल, देवनापुर-सोवापुर जीपी, बैसनबनगर, मालदा में शरण लेने को मजबूर हुए। बंगाल में धार्मिक उत्पीड़न वास्तविक है।' पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में अब तनावपूर्ण शांति है। पिछले कुछ दिनों में राज्य के इलाकों में हुई हिंसा के कारण कई लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। मुर्शिदाबाद के धुलियान से 400 से ज्यादा हिंदू पलायन कर मालदा चले गए हैं। सभी हिंदुओं ने लालपुर हाई स्कूल में शरण ली है। भारतीय जनता पार्टी के नेता सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को इस घटना के कुछ वीडियो शेयर किए और ममता सरकार पर तीखा हमला बोला। अधिकारी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'धर्मांध कट्टरपंथियों के डर से मुर्शिदाबाद के धुलियान से 400 से अधिक हिंदू नदी पार कर पार लालपुर हाई स्कूल, देवनापुर-सोवापुर जीपी, बैसनबनगर, मालदा में शरण लेने को मजबूर हुए। बंगाल में धार्मिक उत्पीड़न वास्तविक है।' ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोलते हुए अधिकारी ने लिखा, 'टीएमसी की तुष्टिकरण की राजनीति ने कट्टरपंथी तत्वों को बढ़ावा दिया है।

बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल में दलित-वंचित और गरीब हिंदू के साथ हिंसा

उत्तर प्रदेश :
पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून पर भड़की हिंसा को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि हमें आश्चर्य होता है कि बंगाल वही राज्य और देश है, जहां वक्फ के नाम पर लाखों एकड़ जमीनों पर जबरन कब्जा किया गया था. अब जब वक्फ संशोधन विधेयक संसद में पारित हुआ है और इस पर कार्रवाई की जा रही है, तो इसके खिलाफ हिंसा भड़काई जा रही है. सीएम योगी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 3 हिंदुओं की निर्मम हत्या हुई है. उनके घरों से बाहर खींचकर, उनकी हत्या की

गई है. ये कौन लोग हैं? ये वही दलित, वंचित और गरीब हिंदू हैं, जिन्हें इस जमीन का सर्वाधिक लाभ मिलने वाला है. योगी ने कहा कि विपक्ष नहीं चाहता वंचित चैन से रहे. विपक्ष अव्यवस्था फैला रहा है. टीएमसी और कांग्रेस की मानसिकता दूषित है.
उन्होंने कहा कि दलितों गरीबों को हमेशा वंचित रखा गया. दलितों को सिर्फ वोट बैंक समझते थे. पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिना भेदभाव के शासन की योजनाओं का लाभ वंचित, गरीबों और शोषितों को मिल रहा है.
विपक्ष केवल दुष्प्रचार में माहिर है. सपा, कांग्रेस नायकों का अपमान करती है. सीएम योगी ने कहा कि बांग्लादेश में जो हिंदू प्रताड़ित हो रहा है या पीड़ित है, वो सभी दलित हिंदू हैं.
उनके पक्ष में कभी न कांग्रेस, न समाजवादी पार्टी और न ही ममता बनर्जी ने आवाज उठाई है. उनके लिए आवाज केवल भाजपा ने उठाई है और भाजपा इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि हमें हर हिंदू की रक्षा करनी है।

इस तरह के विवाद गलत, ये समाज को तोड़ने का करते हैं काम- टिकैत

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन के राणा सांगा पर विवादित बयान देने का मामला थमता नजर नहीं आ रहा है। किसान नेता राकेश टिकैत ने इस मुद्दे को तूल नहीं देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस तरह के विवाद समाज को तोड़ने का काम करते हैं।
किसान नेता राकेश टिकैत ने राणा सांगा विवाद पर आईएएनएस से बातचीत में कहा, "पहले ये धार्मिक विवाद थे, मगर अब इसे जातियों में बदला जा रहा है। देश

में बहुत तेजी के साथ जाति विवाद पैदा हो रहे हैं। मुझे लगता है कि इस तरह के विवाद गलत हैं, क्योंकि ये समाज को तोड़ने का काम करते हैं। सरकार के एजेंडे में है कि लोग लड़ाई लड़े और जिस देश का राजा ये चाहता हो कि देश की जनता आपस में लड़े और मैं उन पर राज करूं। मुझे लगता है कि वो खतरनाक राजा होता है।"
फतेहपुर ट्रिपल मर्डर पर किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा, "तीन हत्याएं हुई हैं और सबको इस बारे में पता है। इस मामले में परिवार के सदस्य गवाह हैं और उन्हें सुरक्षा की जरूरत है। मैं मांग करूंगा कि उन्हें सुरक्षा दी जानी चाहिए और सरकार को उनके लिए उचित मुआवजा तय करना चाहिए। मुझे लगता है कि हत्याओं को रोकने के लिए एक कमेटी बनानी चाहिए।"

राहुल-प्रियंका ने जलियांवाला बाग शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने जलियांवाला बाग के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। राहुल गांधी ने कहा जलियांवाला बाग हत्याकांड में शहीद हुए वीर बलिदानियों को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। यह नरसंहार एक तानाशाही शासन की क्रूरता का प्रतीक है, जिसे यह देश कभी नहीं भूल सकता। इस अन्याय और अत्याचार के खिलाफ हमारे वीर शहीदों का बलिदान आने वाली पीढ़ियों को अन्याय के विरुद्ध डट कर लड़ने की प्रेरणा देता रहेगा।

50 ग्रेनेड के दावे से पंजाब में दहशत

पंजाब
कांग्रेस नेता बाजवा ने एक टीवी साक्षात्कार में दावा किया था कि राज्य में 50 ग्रेनेड आए हैं, जिनमें से 18 का इस्तेमाल किया जा चुका है और 32 का पता नहीं चल पाया है। बाजवा ने एएनआई को बताया कि मैंने एक टीवी चैनल को बयान दिया है कि मेरे सूत्रों ने मुझे चेतावनी दी है कि पंजाब में कई बम आए हैं।
पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रताप सिंह बाजवा ने एक निजी पंजाबी चैनल को दिए इंटरव्यू में दावा किया कि राज्य में 50 ग्रेनेड आए हैं, जिससे राज्य में दहशत फैल गई। मामले की गंभीरता को देखते

हुए पंजाब पुलिस की एक टीम रविवार को पूछताछ के लिए उनके घर पहुंची। इतना ही नहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस मामले पर तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए हैं और बाजवा से इसके स्रोत का खुलासा करने की भी मांग की है।
प्रताप सिंह बाजवा के दावे से पंजाब में दहशत
कांग्रेस नेता बाजवा ने एक टीवी साक्षात्कार में दावा किया था कि राज्य में 50 ग्रेनेड आए हैं, जिनमें से 18 का इस्तेमाल किया जा चुका है और 32 का पता नहीं चल पाया है। बाजवा ने एएनआई को बताया कि मैंने एक टीवी चैनल को बयान दिया है कि मेरे सूत्रों ने मुझे चेतावनी दी है कि पंजाब में कई बम आए हैं। 18 बम फट चुके हैं और 30-32 बम इस्तेमाल किए जाने हैं।
बावजा ने आगे कहा कि मेरे सूत्रों ने मुझे बताया कि मैं एक महत्वपूर्ण पद पर हूं, इसलिए मुझे सचेत रहना चाहिए। मैंने पूरा सहयोग किया है और पूरा सहयोग करूंगा (काउंटर इंटेलिजेंस के साथ)।

'ऐसा लगता है जैसे मुगलों का राज है', फडणवीस सरकार पर आदित्य ठाकरे का हमला

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने रविवार को मीडिया से बातचीत में महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार की तुलना मुगलों के शासन से करते हुए भाजपा की मानसिकता पर सवाल उठाए और सरकार पर जनता का पैसा लूटने का आरोप लगाया।
आदित्य ठाकरे ने यहां मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज की भाजपा की मानसिकता वैसी ही है, जैसी पुराने समय में हमारे महर्षियों पर हमला करने वालों की थी। उन्होंने कहा, "आज मुंबई के हालात देख लीजिए, पुणे के हालात देख लीजिए, संभाजीनगर के हालात देख लीजिए, महिलाओं के हालात देख लीजिए। ऐसा लगने लगा है जैसे मुगलों का राज यहां चल रहा है। यही मानसिकता यहां छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करती है। यही लोग औरंगजेब की कब्र को समाधि समझते हैं।"
उन्होंने राज्य के लोगों से अपील की कि वे भाजपा की इस कार्यशैली को समझें और अपने हितों की रक्षा करें।

ट्रंप ने चीन पर फोड़ा टैरिफ बम,

लेकिन तबाह हो जाएगा पाकिस्तान!

अमेरिका : अमेरिका ने चीन पर ज्यादा टैक्स (टैरिफ) लगाने का फैसला लिया है. इसका असर अब सिर्फ चीन पर नहीं, बल्कि पाकिस्तान पर भी दिखने लगा है. हैरान करने वाली बात ये है कि पाकिस्तान के शेयर बाजार में चीन से भी ज्यादा गिरावट देखने को मिली है. अमेरिका ने पाकिस्तान पर भी 29% अतिरिक्त टैरिफ लगाने की बात कही है, लेकिन फिलहाल इस पर 90 दिन की रोक लगाई गई है. इसके बावजूद पाकिस्तान की आर्थिक हालत पर असर पड़ा है.
चीन की स्टॉक मार्केट जो टैरिफ लागू होने से पहले अच्छी चाल दिखा रही थी, अब धीमी पड़ गई है. शुक्रवार को शंघाई स्टॉक इंडेक्स में सिर्फ 14 अंकों की हल्की बढ़त देखी गई. पिछले 5 दिनों में इसमें 3 से 4 फीसदी तक की गिरावट आई है. साल की शुरूआत से अब तक इसका ळऊ रिटर्न -3.39% रहा है. पिछले साल इस इंडेक्स ने 52 हफ्तों का हाई 3,674.40 छुआ था, लेकिन अब यह 2,689.70 तक गिर चुका है.

- **अमेरिका ने चीन पर ज्यादा टैक्स लगाने का फैसला किया है, जिसका असर पाकिस्तान पर भी पड़ रहा है.**
- **पाकिस्तान के शेयर बाजार में चीन से भी ज्यादा गिरावट आई है।**

पाकिस्तानी मार्केट में गिरावट
चीन पर अमेरिकी टैरिफ और पाकिस्तान पर 29% रेसिप्रोकल टैरिफ लागू होने के बाद सोमवार को पाकिस्तानी मार्केट में इतनी गिरावट आई कि ट्रेडिंग ही रोकनी पड़ी. बुधवार को भी डएउ-100 2,640.95 अंक या 2.29% की तगड़ी गिरावट के साथ 112,891.48 पर आ गया. शुक्रवार को भी ढरड में बेचैनी देखने को मिली. पाकिस्तानी मार्केट 424.21 अंक की गिरावट के साथ 115,765 पर था.
नीति थिंक टैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर अमेरिका पाकिस्तान की वस्तुओं पर 29% टैरिफ लगाता है, तो वित्त वर्ष 2025-26 में पाकिस्तान के निर्यात (एक्सपोर्ट) को लगभग 564 मिलियन डॉलर का नुकसान हो सकता है. रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि सबसे खराब स्थिति में यह नुकसान बढ़कर 2.2 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है.
राष्ट्रपति शी जिनपिंग बोले- 'चीन किसी से डरा नहीं'
इससे पहले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा था कि टैरिफ युद्ध में कोई विजेता नहीं होता. उन्होंने कहा कि चीन कभी किसी पर निर्भर नहीं रहा और किसी से डरा नहीं. समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले 70 वर्षों से अधिक समय में देश ने आत्मनिर्भरता और कठिन संघर्ष के जरिए विकास हासिल किया. उन्होंने कहा कि चीन कभी दूसरों की दया पर निर्भर नहीं रहा और किसी भी अनुचित दमन से नहीं डरा. राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा कि चाहे बाहरी दुनिया में कोई भी बदलाव क्यों न हो, चीन उम्मीदों से भरा रहेगा और अपने मामलों को अच्छी तरह चलाने पर ध्यान केंद्रित रखेगा.

लखनऊ में भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को लेकर बवाल

उत्तर प्रदेश : उत्तर प्रदेश में संविधान निमार्ता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती से पहले उनकी की प्रतिमा हटाए जाने के मामले ने प्रदेश के सियासी हल्कों में सरगर्मी ला दी है. लखनऊ के महिंगवा थाना क्षेत्र के खंतरी गांव में संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति हटाने जाने के मामले में समाजवादी पार्टी चीफ व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव तीखी प्रतिक्रिया दी है. अंबेडक की प्रतिमा हटाये जाने के विरोध सपा चीफ ने शासन-प्रशासन पर बड़ा हमला बोला है.
अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, "लखनऊ में बाबासाहेब की मूर्ति को हटाने का जो दुस्साहस प्रशासन कर रहा है, उसके पीछे शासन का जो दबाव है, उसे पीडीए समाज अच्छी तरह समझ रहा है. किसी के जातीय वर्चस्व का अंहकार कभी गोरखपुर में मूर्ति-चबूतरा हटाने का काम करवाता है, तो

अखिलेश ने किस पर निकाली भड़ास?

कभी लखनऊ में अपने राजनीतिक प्रभुत्व के दंभ को साबित करने के लिए महापुरुषों की मूर्ति हटाने का कुकृत्य करवाता है. जनाकांक्षा की अवहेलना जनाक्रोश को जन्म देती है. पीडीए कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा!" ये है मूर्ति विवाद की वजह

दरअसल राजधानी लखनऊ के महिंगवा थाना क्षेत्र के खंतरी गांव में संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को प्रशासन ने अवैध मानते हुए हटाने की कार्रवाई शुरू की. जिसका ग्रामीणों ने विरोध कर दिया, देखते-देखते ही स्थिति बेकाबू हुई और ग्रामीणों की भीड़ ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया. इस प्रदर्शन में कई पुलिसकर्मी चोटिल हुए हैं.हालात बिगड़ते देख पुलिस ने भी लाठी चलाई, जिससे कुछ लोग घायल हुए हैं.
प्रशासन का कहना है कि बिना अनुमति के सार्वजनिक भूमि पर मूर्ति लगाना कानून का उल्लंघन है और इसे नहीं रहने दिया जा सकता वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन उनकी भावनाओं का दमन कर रहा है. वहीं ग्रामीण ने कहा, "यह मूर्ति हमारी आस्था से जुड़ी है, पुलिस जबरदस्ती इसे हटवा रही है।

घर के एकलौते चिराग को दबंगों ने पेट्रोल डालकर जिंदा जला कर मार डाला

- घर से बुलाकर कर ले गये काम कराने मना किया तो पहले शराब पिलाई फिर बगीचे में पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया
- पुलिस ने केस दर्ज कर सात आरोपियों को गिरफतार कर लिया और एक फरार हो गया

अखंड भारत संदेश

करछना। प्रयागराज जनपद के जमुनापार करछना थाना क्षेत्र ईसौटा ग्राम पंचायत मजरा लोहनपुर की है जहां एक युवक को शनिवार रात 10 बजे घर से बुलाकर ले गए गांव के कुछ दबंगों ने पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया।

घटना की जानकारी होने पर सुबह हड़कंप मच गया सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस को ग्रामीणों ने शव पोस्टमार्टम के लिए देने से मना कर दिया और आक्रोशित ग्रामीणों ने घंटो बवाल काटा फिर कयी घंटे बाद अधिकारियों द्वारा आरोपित लोगों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को शव पोस्टमार्टम के लिए दिया गया मृतक के पिता अशोक कुमार पुत्र भुल्लर अनुसूचित जाति चमार निवासी ईसौटा लोहनपुर ने पुलिस को दी तहरीर में गांव के दिलीप कुमार उर्फ छोटू पुत्र राजमणि सिंह ठाकुर द्वारा अपने खेत में गेहूं के बोझ की ढोने के लिए प्रार्थी के लड़के देवी शंकर 35 वर्ष पुत्र अशोक को घर से बुलाकर ले गए और सुबह 5:30 बजे घर के पूरब महुआ के बगीचे में पता चला की एक लौटे पुत्र को जिंदा जलाकर मार डाला गया है।

घटना के बावत मृतक के पिता ने गांव के ही दबंगों के खिलाफ नामजद

मौके पर जुटी लोगों की भारी भीड़

करते हुए कहा कि मेरे इकलौते पुत्र ने गेहूं के बोझ ढोने से मना किया कर दिया तो दबंगों ने योजनाबद्ध तरीके से उसे पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया गया जिसमें शामिल अजय सिंह विनय सिंह पुत्र गढ़ कृष्णपाल सिंह मनोज सिंह पुत्र हरपाल सोनू सिंह उर्फ संजय पुत्र के सुपौल सिंह शेखर सिंह पुत्र गुलाब सिंह मोहित सिंह पुत्र समर बहादुर अन्य अज्ञात लोगों द्वारा उसके इकलौते पुत्र को जिंदा जलाकर मार डाला पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर नामजद मुकदमा पंजीकृत कर लिया है जिसमें लगभग एक को छोड़कर सभी की गिरफ्तारी भी कर ली है फरार चल रहे आरोपी को पुलिस टीम गठित कर जल्द गिरफ्तारी का प्रयास करने में जुटी है घटना को लेकर ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है इस घटना से रविवार दिनभर पुलिस टीम के आलाधिकारी इस घटना को लेकर गांव में अलग-अलग बिंदुओं पर जांच पड़ताल करने में जुटी रही, और पकड़े गए आरोपियों से हत्या का पहलू उगलवाने के लिए पुलिस टीम जुटी हुई है डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद यादव, एसीपी वरुण कुमार,थाना प्रभारी करछना अनूप सरोज ने बताया कि घटना के बाद पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है सभी आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है एक आरोपित अभी फरार चल जिसको जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

न्यूज झरोखा

अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष भारतीय दर्शनशास्त्र में चार प्रमुख लक्ष्यों या पुरुषार्थ को दशार्ते हैं : शारदानंद सरस्वती

जसरा। शारदा प्रसाद शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय पांडर में जन कल्याण समिति द्वारा पंच दिवसीय श्री राम चरित मानस सम्मेलन के चतुर्थ दिवस पर श्री मद् जगद्गुरु शंकराचार्य शक्ति पीठाधीश्वर स्वामी शारदानंद सरस्वती जी महाराज कांगड़ा हिमाचल ने श्रोताओं को बताया कि अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष भारतीय दर्शनशास्त्र में चार प्रमुख लक्ष्यों या "पुरुषार्थ" को दशार्ते हैं। अर्थ का अर्थ है भौतिक समृद्धि, धर्म का अर्थ है सही आचरण और नैतिक कर्तव्य, काम का अर्थ है इच्छाओं और सुखों की प्राप्ति, और मोक्ष का अर्थ है सांसारिक चक्र से मुक्ति और आत्म-साक्षात्कार। भोपाल की धरती से पधारे आचार्य डा०निलिम्प त्रिपाठी जी ने श्री राम चरित मानस में सुख और दुःख को दो अलग-अलग दृष्टिकोणों से देखा गया है।सुख को भगवान की कृपा और भक्ति से प्राप्त होने वाली शांति और समृद्धि के रूप में दशार्या गया है,जब कि दुःख को माया और सांसारिक मोह के कारण होने वाले कष्टों के रूप में दिखाया गया है। कार्यक्रम की शुरूआत जगद्गुरु श्री शंकराचार्य जी का विधि-विधान से पूजन पूर्व सांसद डा०रीता बहुगुणा जोशी ने किया। कार्यक्रम का आयोजन गया प्रसाद त्रिपाठी व संचालन दीपक त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर कथा ब्यास आचार्य अलोपी ओझा, आचार्य पंडित अभिषेक शुक्ल, अमरनाथ दुबे, हरीराम त्रिपाठी, राजाबाबू पाठक, रामानंद त्रिपाठी, दिवाकराचार्य त्रिपाठी, भूपेन्द्र त्रिपाठी, अनिल मिश्र, गीतकार राजेन्द्र शुक्ल, लालमणि पांडेय, अरुण कुमार शुक्ल, सुरेन्द्र कुमार केसरवानी,विशेश्वर नाथ मिश्र,डा०पीपी सिंह, विश्वनाथ प्रताप सिंह, गोपाल कृष्ण मिश्र,नेत्र नारायण मिश्र सहित सैकड़ों लोगों ने कथा का श्रवण किया।

महावीरन धाम पर धूमधाम से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

प्रयागराज। यमुनापार के विकास खंड जसरा अंतर्गत ग्राम पंचायत मझियारी कलां में हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। मझियारी कलां गांव स्थित महावीरन धाम पर जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राम नामी पताखे को लगाने व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। जिसके बाद साज - बाज के साथ सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ किया गया और आरती के बाद प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ । कार्यक्रम का आयोजन मुख्य रूप से समाजसेवी राहुल सिंह बघेल के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के बाद एक विशेष बैठक का भी आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रूप से महावीरन धाम के सुगम आवागवन हेतु रास्ते व धाम के लोकनिर्माण के बिंदुओं पे चर्चा हुई । इस अवसर पर सदस्य जिला पंचायत जसरा आलोक कोल ने कहा कि वह धार्मिक आस्थाओं से जुड़े इस प्राचीन स्थल के लोकनिर्माण हेतु हर संभव मदद करने के लिए तैयार है। आयोजन में मुख्य रूप से सदस्य जिला पंचायत जसरा आलोक कोल, पूर्व ग्राम प्रधान धीरज सिंह (शिब्बू) , वर्तमान ग्राम प्रधानपति राकेश सिंह, लाल जी द्विवेदी , विष्णु शंकर द्विवेदी , राम जी द्विवेदी,राजस्व अधिकारी प्रभात सिंह ,आचार्य राजीव कुमार द्विवेदी , रामसेवक कुशवाहा , नंदलाल यादव समेत अन्य भक्तगण उपस्थित रहें।

बालाजी सेवा समिति भेलखा, प्रयागराज द्वारा हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन

जंघई। हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सुंदर काण्ड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन बालाजी सेवा समिति भेलखा, प्रयागराज द्वारा आयोजित किया गया। काशी प्रयागराज मानस मंडली द्वारा मानस व्यास पंडित शुभम तिवारी एवं उनके सहयोगियों द्वारा यह कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर संजय कुमार मौर्य चौकी इंचार्ज जंघई, उप निरीक्षक सौरभ यादव, शेषमणि पांडेय, गरुण पांडेय, दिनेश पांडेय, अंकुर पांडेय, गंगाधर शुक्ल, रिंकू सिंह, अशोक पांडेय बीडीसी, शुभम पांडेय बिल्डिंग मैटेरियल, ललित दुबे, शिवम पांडेय आर्या फैशन कलेक्शन, मुकेश तिवारी, नीरज तिवारी, गणेश तिवारी, मुकेश पांडेय, रामनयन पांडेय, आशीष पांडेय, अजय मौर्या, नीरज गौड़, पवन गौड़, आशीष तिवारी, सियाराम गुप्ता, सुशील तिवारी, सूरज सोनी, रोहित सोनी, अंशु सोनी, संदीप शुक्ला, रत्नेश दुबे, डब्लू गुप्ता, बीडी यादव, प्रमोद गौतम प्रधान अनुवां, जसलोक गौतम सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सुशीला आई सेंटर एंड हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र शिविर का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

सहसों। पं० जवाहर लाल नेहरु इंटर कॉलेज भोपतपुर के प्रांगण में मंगलवार को प्रबंधक अरुण कुमार सिंह के संयोजन में सुशीला आई सेंटर एंड हॉस्पिटल अंदावा, प्रयागराज की डॉ साध्वी सिंह नेत्र सर्जन द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। उक्त निःशुल्क शिविर का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक अरुण कुमार सिंह (अधिवक्ता) द्वारा किया गया। शिविर में डॉ साध्वी सिंह (नेत्र रोग विशेषज्ञ एवं फेको विधि सर्जन) एवं उनकी पूरी टीम डॉ एस के पटेल (अस्थि रोग विशेषज्ञ), डॉ एस पी पटेल (त्वचा रोग विशेषज्ञ), डॉ एस के सिंह (जनरल फिजीशियन), डॉ गंगा सिंह (जनरल फिजीशियन एवं चर्म रोग विशेषज्ञ) के द्वारा निःशुल्क शिविर में मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं नेत्रों की जाँच की गई। शिविर में प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक 317 मरीजों का परीक्षण किया गया एवं उच्च रक्त चाप और मधुमेह की मुफ्त जाँच की गई तथा जरूरत मंदो को दवाओं का भी वितरण एवं । 37 लोंगो को मोतियाबिंद के लिए चिन्हित किया गया। मोतियाबिंद के निःशुल्क ऑपरेशन हेतु हॉस्पिटल आने की सलाह देते हुए 27 लोंगो को निःशुल्क चश्मा भी वितरण किया गया। इस अवसर पर धर्मेन्द्र सिंह , अजीत सिंह , बृजेश सिंह , आंनद सिंह, अंशुमान सिंह (अधिवक्ता) ने अपना सहयोग प्रदान किया। एवं भारी संख्या में नेत्र रोगी तथा ग्रामीण मौजूद रहे।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के करछना जारी मार्ग पर निरौधा गाँव में बाइक और साइकिल की टक्कर में साइकिल सवार की इलाज के दौरान मौत हो गई' घटना शनिवार की शाम की है। मृतक व्यक्ति की पहचान निरौधा गाँव निवासी 62 वर्षीय कामता यादव के रूप में हुई। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि वे रोजाना की तरह शाम अपने घर से काम से बाजर जा रहे थे। उसी क्रम पड़ोस के ही बाइक सवार युवक ने निरौधा स्थित गेस्ट हाउस के समीप जोरदार टक्कर मार दिया ' जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन फानन में इलाज के लिए एसआरएन ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने कामता यादव को मृतक घोषित कर दिया । घटना की सूचना मिलते ही कौंधियारा पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं आयुष त्रिपाठी, पुत्र ब्रजेश त्रिपाठी, ग्रामसभा उस्मापुर, हंडिया, प्रयागराज का निवासी हूं। मेरा इलाहाबाद विश्वविद्यालय का बी.ए. प्रथम वर्ष (2021-22), रोल नंबर 2245813, बी.ए. द्वितीय वर्ष (2022-23), रोल नंबर 2362979, बी.ए. तृतीय वर्ष (2023-24), रोल नंबर 2480453 जिसका नामांकन संख्या M2120713 है जो वास्तव में कहीं खो गया है। जिसकी सूचना उत्तर प्रदेश पुलिस के ई-थाना पोर्टल पर दर्ज है।

इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय से अंग्रेजी विषय में अपर्णा बाजपेयी को पीएच.डी. की मिली उपाधि

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शनिवार को इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि अपर्णा बाजपेयी, को इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग से प्रतिष्ठित डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। यह समारोह विभाग के शोधार्थियों एवं सम्मानित संकाय सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

अपर्णा ने अपना शोधकार्य अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग के प्रोफेसर डॉ. राजेश वर्मा के निर्देशन में पूरा किया। उनका पीएच.डी. वायवा प्रोफेसर इंद्राणी मुखर्जी, विभागाध्यक्ष, एवं प्रोफेसर संजय कुमार, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग से परीक्षक थे, की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

अपर्णा बाजपेयी वर्तमान में गुलाब देवी बालिका इंटर कॉलेज, बलिया में प्रवक्ता के पद पर कार्यरत हैं। उनके द्वारा शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में किए गए समर्पण की सराहना उनके सहयोगियों एवं मार्गदर्शकों द्वारा की गई है।इस अवसर पर कई विद्वान शिक्षाविदों की उपस्थिति रही, जिनमें डॉ. अम्बरीश, डॉ. सतीश, डॉ. शुभम, डॉ. आशीष, डॉ. सुमेधा, डॉ. विवेक, डॉ. मृत्युंजय , डॉ. सदफ, डॉ. अमरनाथ सहित अनेक अन्य शामिल थे। शिक्षाविद समुदाय ने अपर्णा बाजपेयी को उनकी विद्वतापूर्ण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी और उनके भविष्य के अकादमिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

नोएडा से आ रहे व्यक्ति के साथ सहसों चौराहे पर नकदी समेत 25 हजार की हुई ठगहारी

अखंड भारत संदेश

सहसों। नोएडा से आ रहे परिवार सहित एक व्यक्ति के साथ रविवार को सहसों चौराहे पर रिश्तेदार का नाम बता कर बाइक सवार अज्ञात व्यक्ति द्वारा नकदी समेत 25 हजार रुपए का ठगहारी हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार चकवा चंदेल ज्ञानपुर जिला भदोही निवासी राजमणि पुत्र कैलाश नाथ रविवार को नोएडा से परिवार सहित अपने रिश्तेदार जितेंद्र कुमार निवासी घूरेपुर बलीपुर प्रयागराज निवासी जितेंद्र कुमार के घर जा रहे थे। वह सहसों चौराहे पर रुक कर सुबह साढ़े दस बजे लिवा जाने के लिए फोन कर बुला रहे थे। पास में ही खड़ा एक अज्ञात बाइक सवार युवक ने उनकी बातों को सुन रहा था। राजमणि बगल में दुकान पर कुछ लेने चले गए इतने में वह अज्ञात बाइक सवार उनके परिवार के पास आया और रिश्तेदार का नाम बता कर यह कहा कि जितेंद्र कुमार ने हमें भेजा है आप लोग चलिए। राजमणि के पत्नी के कुछ गहने, कीमती कपड़ा और दो हजार रुपया नकदी रखा ट्रॉली बैग तथा उनके बेटे को बाइक पर बैठाकर फूलपुर की तरफ चल दिया। कुछ दूर आगे जाने पर पशु मेला के पास जिओ ऑफिस के सामने उनके बेटे को उतार कर उक्त अज्ञात बाइक सवार ने नकदी, गहना और कपड़ों से भरा ट्रॉली बैग लेकर फरार हो गया। जानकारी होते ही राजमणि पत्नी सहित अपने बेटे के पास पहुंचे और अचंभित रह गए। रिश्तेदार जितेंद्र कुमार भी मौके पर पहुंच गए और खोजबीन करने लगे परंतु अज्ञात बाइक सवार का कोई पता नहीं चला। राजमणि की लिखित तहरीर पर सहसों पुलिस उचित कार्यवाही करते हुए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए मामले की छानबीन कर रही है।

भवन्स मेहता स्नातकोत्तर महाविद्यालय भरवारी, कौशाम्बी

आवश्यकता है

भवन्स मेहता स्नातकोत्तर महाविद्यालय भरवारी, कौशाम्बी में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत सत्र 2025-26 में संचालित होने वाले पाठ्यक्रम/विषय में असिस्टेन्ट प्रोफेसर की आवश्यकता है। प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज तथा यू०जी०सी० परिनियमावली एवं शासनादेशों के अनुरूप निर्धारित शैक्षिक योग्यता (जू०जी०सी० नेट/पी०एच०डी०) रखने वाले इच्छुक अभ्यर्थी सादे कागज पर आवश्यक शैक्षिक अभिलेखों सहित आवेदन करें।

परास्नातक स्तर पर

एम0-ए0 -	संस्कृत-	पदों की संख्या-02
एम0एससी0 -	वनस्पति विज्ञान-	पदों की संख्या-02
एम0एससी0-	भौतिक विज्ञान-	पदों की संख्या-02
एम0ए0-	इतिहास-	पदों की संख्या-02

अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु विज्ञापन प्रकाशित होने की तिथि से 21 दिन के अन्दर आवेदन पत्र भवन्स मेहता स्नातकोत्तर महाविद्यालय भरवारी, कौशाम्बी-212201 के कार्यालय में पंजीकृत डाक के माध्यम से प्रेषित कर सकते हैं। अनुभवी अभ्यर्थियों को वरीयता प्रदान की जायेगी।

प्राचार्य

आरएएफ कैम्प में सड़क निर्माण का किया शिलान्यास

फाफामऊ। रविवार को 101 आर.ए.एफ कैम्प में 1500 मी0 सड़क निर्माण का भूमि-पूजन और शिलान्यास किया गया। वाहिनी में नव निर्मित सरकारी परिवारिक आवास परिसर के सामने आवागमन के लिए सड़क निर्माण हेतु भूमि-पूजन और शिलान्यास मनोज कुमार गौतम, कमाण्डेट 101 आर.ए.एफ के द्वारा विधि-विधान के साथ सम्पन्न किया गया। इस मौके पर हरिओम सागर (द्वि. कमा.अधि.), यज्ञ कुमार सिंह (उप कमाण्डेन्ट), अरूण मिश्रा (उप कमाण्डेन्ट), एवं अन्य अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण, जवान, महिला कार्मिक तथा साईं बाबा इन्टरप्राइजेज के प्रो. विपिन मिश्रा एवं शौरभ केशरवानी (ठेकेदार) उपस्थित रहे।

आंधी पानी से विद्युत व्यवस्था चरमराई जनजीवन अस्त-व्यस्त

सहसों। रविवार को सुबह अचानक मौसम खराब हो जाने से तेज आंधी के साथ भारी वर्षा हुई। जिसके चलते सहसों क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था चरमरा कर खराब हो गई। उपभोक्ताओं ने बताया कि सुबह 6 बजे से आंधी के साथ बारिस हो जाने के कारण विद्युत सप्लाई चली गई। जानकारी लेने पर पता चला कि कई स्थानों पर अलग-अलग जगह पर विद्युत तार सहित अन्य व्यवस्थाएं खराब हो गई। विद्युत कर्मचारियों ने विद्युत व्यवस्था ठीक की तब जाकर लगभग 12 घंटे तक बाधित आपूर्ति को देर शाम बहाल किया जा सका। इस संबंध में अवर अभियंता मलावां पावर हाउस इंद्रसेन यादव ने बताया कि आंधी पानी से कई स्थानों पर गड़बड़ी आ गई थी। जिसे ठीक कराया गया। जैसे ही मुख्य सप्लाई प्राप्त होगी फौरन ही विद्युत आपूर्ति की जाएगी।

डॉ. अम्बेडकर जयन्ती एवं सामाजिक समरसता भोज कार्यक्रम को सम्बोधित करेंगी डॉ. रागिनी सोनकर

- डॉ. बी. आर.अम्बेडकर की जयन्ती व सामाजिक समरसता का आयोजन मान्यवर कांशीराम महाविद्यालय पनासा में कल

अखण्ड भारत सन्देश

मांडा। यमुनापार क्षेत्र के पनासा मान्यवर कांशीराम महाविद्यालय के प्रांगण में 15 अप्रैल दिन मंगलवार को बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती एवं सामाजिक समरसता भोज का कार्यक्रम बड़े धूम धाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आर्यन लेडीज एवं जौनपुर मछली शहर की सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने पहुंच कर जन सभा को सम्बोधित करेंगी। उक्त कार्यक्रम की जानकारी सपा नेता एवं संयोजक रणजीत सोनकर ने दिया और उनके विचारों को सुनने के लिए अधिक से अधिक क्षेत्रिय लोगों को पहुचंने की अपील की है।

कार्यालय ग्राम पंचायत बैशकांटी, वि.खं. मंझनपुर, जनपद-कौशाम्बी

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत बैशकांटी में राज्य वित्त / पंचम. राज्यवित्त / 15वाँ वित्त आयोग / मनेरेगा/ राष्ट्रीय ग्रामीण स्वच्छता मिशन / कायाकल्प योजना / स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना / सार्वजनिक शौचालय निर्माण आदि योजनाओं / कार्यक्रमों के अन्तर्गत नाला-नाली निर्माण एवं मरम्मत, खडन्जा निर्माण एवं मरम्मत, कूप का जीर्णोद्धार, इण्डिया मार्का-2 हैण्डपम्प की मरम्मत / रिबोरिंग / स्थापना एवं प्लेटफार्म निर्माण एवं मरम्मत, सोख्ता गड्ढ़ा का निर्माण, इण्टरलाकिंग कार्य, एम. डी.एम. शेड निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति. एल. ई.डी. इलेक्ट्रिक बल्ब, सोलर / स्ट्रीट लाइट, पानी का टैंकर, बाउन्ड्री वाल का निर्माण / मरम्मत ह्यूम पाइप, विद्यालय / पंचायत भवन एवं आंगनबाड़ी केन्द्र की मरम्मत एवं खिड़की / दरवाजा आदि की रंगाई-पुताई /कोविड-19 बचाव हेतु ब्लीचिंग पाउडर सेनेटाइजर मास्क, फागिंग मशीन, फुट स्प्रेयर / पावर स्प्रेयर / सफाई कर्मी किट एवं अन्य उपकरण तथा इस कार्य में प्रयुक्त होने वाली सामग्री एवं परियोजना बोर्ड की आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मों से दिनांक 14.04.2025 से 21.04.2025 तक सीलबन्द निविदा अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 22.04.2025 को अपरान्ह 12 बजे उपस्थित फर्मों के समक्ष खोली जायेगी। सामग्री की मात्रा ग्राम पंचायत में स्वीकृत प्राक्कलन के अनुसार पृथक-2 होगी। निविदा ग्राम पंचायतो में वित्तीय वर्ष 2025-26 अन्तर्गत कराए जाने वाले सभी कार्यों हेतु प्रभावी होगी। निविदा व शर्त (1) निविदा को बिना कारण बताये पूर्ण एवं आंशिक संशोधन अथवा निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। (2) रुपये 100 के नान ज्यूडीशियल स्टाम्प पेपर पर एक रुपये का रसीदी टिकट लगाकर अनुबन्ध लिखना होगा कि परियोजना पूरी होने की अवधि तक अनुबन्ध मान्य होगा, इससे पहले निविदा/आफर वापस लेने पर धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। (3) फर्म का टिन नं०/ पैन नं० तथा सामग्री आपूर्ति पर देय कर/टी.डी.एस. कटौती की जिम्मेदारी फर्म की होगी।

सुनीता सिंह
(ग्राम प्रधान)
ग्रा.पं. बैशकांटी, वि.खं. मंझनपुर, कौशाम्बी

लक्ष्मी नारायन
(ग्राम विकास अधिकारी)
ग्रा.पं. बैशकांटी, वि.खं. मंझनपुर, कौशाम्बी

पत्रांक मेसों/2025-26 दिनांक 13.04.2025

पिता को महिला के साथ पकड़ा, मां को बुलाया तो बेटे को मारी गोली

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। दवा कारोबारी को उसके बेटे ने फ्लैट में एक अंजन महिला के साथ अपने पिता को पकडा और जब बेटे ने अपनी मां, बहन और भाई को मौके पर बुला लिया। तो पूरे परिवार ने महिला को बाहर करने की बात कही तो पिता भड़क गया। पिता-बेटे में कहासुनी के बाद मारपीट होने लगी। देखते ही देखते दवा कारोबारी ने पत्नी और बच्चों को जमकर पीटा, फिर पिस्टल से बेटे को गोली मार दी। गोली बेटे के पैर में लगी। वह लहूलुहान होकर नीचे गिर गया। इस बीच, महिला वहां से फरार हो गई। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। पुलिस को कॉल की।पुलिस ने आरोपी पिता विवेक दुआ (47) को गिरफ्तार कर लिया, उसकी लाइसेंसी पिस्टल और रिवॉल्वर जब्त कर ली है। मामला शनिवार रात धूमनगंज थाना क्षेत्र के कालिंदीपुरम के मौसम विहार कॉलोनी का है।

पत्नी बोली- कॉलगर्ल के चक्कर में पति मुझे-बच्चों को भूल गए

विनोद दुआ का प्रयागराज में दवा का बड़ा कारोबार है। मेडिकल स्टोर के साथ ही उनका दवाइयों का थोक बिजनेस है। धूमनगंज थाने पहुंची विनोद दुआ की पत्नी पूजा (42) ने बताया कि वह परिवार के साथ कालिंदीपुरम में रहती हैं। पति विवेक दुआ ने घर से करीब 3 किमी दूर वसंत विहार अपार्टमेंट में फ्लैट ले रखा है। एक लड़की के कारण उनके परिवार में विवाद चल रहा है, वह कॉलगर्ल है। उसके चक्कर में पति मुझे और तीनों बच्चों को भूल गए है । बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, घर के खर्च से मतलब खत्म कर दिया। जब हम लोगों ने कॉलगर्ल के साथ संबंध तोड़ने की बात कही तो विवाद शुरू कर देते हैं।

बेटे ने पति को रंगे हाथों पकड़ा

4 साल पहले पति ने हम लोगों को छोड़ दिया। वह सोसाइटी में अलग किराए के फ्लैट के रहने लगे। शनिवार को मेरे बड़े बेटे देवांश (21) ने अपने पिता को उस कॉलगर्ल के साथ फ्लैट में रंगे हाथों पकड़ लिया। दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। फिर मारपीट होने लगी। हंगामा होने पर मैं, मेरा छोटा और बेटी भी पहुंच गई।

कॉलगर्ल का विरोध किया तो बच्चों को पीटा

पत्नी पूजा ने कहा- हम लोगों ने कॉलगर्ल का विरोध किया। उसका साथ छोड़ने की बात कही। उसे कमरे से निकालने को कहा तो पति ने मेरी बेटी, छोटे बेटे और मुझे बुरी तरह से पीटा। बड़े बेटे ने बचाव किया। उसने पति को खींचकर कमरे के अंदर कर दिया, तभी पिस्टल से उस पर गोली चला दी। वह खून से लथपथ होकर गिर गया। हम लोग उसे अस्पताल लेकर भागे। उसका इलाज चल रहा है।

कारोबारी के घर बच्चों को संभालती थी महिला

पत्नी पूजा ने धूमनगंज थाने में पति विवेक दुआ के खिलाफ एप्लिकेशन दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी पति विवेक को अरेस्ट कर लिया। महिला विवेक के घर पहले बच्चों को संभालने का काम करती थी।

राकेश टिकैत बोले-यूपी की कानून व्यवस्था ध्वस्त

प्रयागराज। प्रयागराज पहुंचे चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि यूपी की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। अपराध हो रहे हैं। सरकार जो सजा दूसरों को देती है वही इन मामलों में दे। उन्होंने फतेहपुर में एक परिवार के तीन लोगों की हत्या, प्रयागराज में युवक की हत्या कर शव जलाने के मामले पर खराब कानून व्यवस्था का हवाला दिया।भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि किसान यूनियन ने हिंदू-मुस्लिम, वक्फ बोर्ड जैसे शब्दों को बैन कर दिया है। मीडिया जो बुलवाना चाहता है वह हम बैन कर चुके हैं।किसान नेता प्रयागराज के रास्ते फतेहपुर के लिए रवाना हुए। उन्होंने कहा कि जिस परिवार के तीन लोगों की हत्या हुई वह उस परिवार से मिलेंगे। मुआवजे की मांग के साथ सुरक्षा की मांग करेंगे।

उन्होंने कहा कि ऐसी जघन्य हत्या करने वालों को भी वही सजा सरकार दे जो दूसरों को देती है।

न्यूज झरोखा

होली खेल भावुक पल में विदा हुई चार पीढ़ी की बेटियां

हनुमानगंज। बहादुरपुर ब्लॉक के उत्तरी कोटवा में गणगौर की पूजा में शामिल होने आईं गांव की चार पीढ़ी की बेटियां होली खेल कर अपने ससुराल के लिए भावुक मन से विदा हुईं। यह पहला अवसर था जब इतनी बड़ी संख्या में बेटियां एक साथ मायके पहुंची थी। ननदों के साथ भाभियों ने भी होली मिलन समारोह के दरम्यान नगाड़े के बघेली धुन पर खूब मस्ती की। तीन दिन के लिए छुट्टी लेकर मायके आईं बेटियों ने पहले दिन आवभगत में, दूसरे दिन गणगौर पूजन और अंतिम दिन रविवार को होली मिलन के संग शाम को संगीत कार्यक्रम में शिरकत की। गोरखपुर में पेट्रोल पंप और गैस एजेंसी का व्यवसाय संभाल रही अनुपम सिंह ने तीन दिन अपने बचपन की सहेलियों के संग बिताए गए समय को अविस्मरणीय करार दिया। परिजनों को छोड़कर अमेरिका से आईं विभा व कामिनी नैनीताल से प्रापर्टी डीलर शिखा, जबलपुर से ब्यूटी इंडस्ट्री से जुड़ी अंशु, रीवा से वेडिंग प्लानर रुचि व आरती, लखनऊ से चित्रा, रूबी, नीलम, इंदौर से रश्मी, रायपुर से सुभा आदि ने बताया तीन दिन कैसे गुजर गया पता ही नही चला। अपनी सखियों के संग गुजारे हर एक पल को जीवन का यादगार हसीन लम्हा बताया। बहनों की सेवा से लेकर उनकी जरूरतों को पूरा करने में उनके भाई भी पीछे नही रहे। सुदीप सिंह, अवनीश सिंह, प्रभात सिंह, रजनीश सिंह, सनी सिंह आदि कहते हैं इस अर्थयुग और जीवन के आपाधापी में जिनके यहां शादी विवाह होता उनके घर बड़ी मुश्किल से बहनें पहुंच पाती थी किंतु पूरे मोहल्ले में हर किसी के घर बहनों का एक साथ आना और सामूहिक उत्सव में शामिल होना मानों खुशियों का सौगात मिल गया हो। मां और भाभियां भी अपनी भावना व्यक्त करते हुए कहा बेटी और ननदों का एक साथ आने पर जहां खुशियों से आंसू छलक पड़े, वही एक साथ विदा होने पर भावुकता में नेत्र सजल हो गए।

शोभा यात्रा में डीजे की धुन पर झूमते नाचते निकले लोग, सोमवार को होगा समापन

नैनी। नैनी औद्योगिक क्षेत्र के ब्योहरा गांव में जायसवाल समाज की ओर से प्रदेश का पहला सहस्त्रार्जुन मंदिर बनाया गया। इसके प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दूसरे दिन रविवार को बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। निकाली गई सहस्त्रार्जुन शोभा यात्रा में पुरुष, महिलाएं और बच्चे सभी खूब झूमे। मंदिर से यात्रा प्रारम्भ होकर मिजार्पुर मार्ग से होते हुए गांव में भ्रमण करते हुए वापस मंदिर में आकर समाप्त हो गई। इस मौके पर समाज के स्वामी ओंकारदास छत्तीसगढ़, स्वामी अभिराम दास राजस्थान, आचार्य विनोद शास्त्री हाथरस, स्वामी पूणार्नंद छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश के अलावा आयोजक जय प्रकाश जायसवाल, विजय जायसवाल, टीएन जायसवाल, कमलेंद्र जायसवाल, विनोद जायसवाल, समाजसेवी राजकुमार जायसवाल, राजीव जायसवाल, संजय जायसवाल, मोनू जायसवाल, राकेश जयसवाल आदि मौजूद रहे।

नकली सोना दिखा के झांसा देकर लूट करने वाले चार अभियुक्तों को पुलिस ने दबोचा

- बीते 9 अप्रैल की रात उरुवा रेलवे ओवरब्रिज के पास पेट्रोल टंकी के सामने अनूप कुमार नमक शख्स के साथ हुई थी लूट की वारदात
- पीड़ित की शिकायत पर एसओजी और मेजा पुलिस टीम को मिली बड़ी कामयाबी,अभियुक्तों के कब्जे से लूट के 15 हजार रुपए एवं 17 सोने के नकली सिक्के बरामद

अखंड भारत संदेश

मेजा। नकली सोना दिखाकर लोगों को झांसे में लेकर लूट की घटना कारित करने वाले चार को मेजा पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट के 15 हजार रुपये एवं 17 सिक्केनुमा मोहर नकली सोना बरामद करने में बड़ी कामयाबी हासिल किया है। उल्लेखनीय है कि पुलिस के उच्चाधिकारियों के आदेश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चंद्र यादव और सहायक पुलिस आयुक्त मेजा रवि कुमार गुप्ता के निर्देशन में थाना प्रभारी मेजा राजेश उपाध्याय के कुशल नेतृत्व में थाना मेजा पुलिस टीम एवं एसओजी प्रभारी यमुनानगर के उप निरीक्षक नवीन कुमार सिंह नेतृत्व में यमुनानगर जोन की संयुक्त टीम द्वारा बीते शनिवार को टुडिहार नहर पुलिया के पास से शिवकुमार उर्फ साधु पुत्र राम जियावन बिन्द निवासी कुसहा थाना जिगना, मोनू उर्फ मनीष पुत्र तोलन सरोज निवासी कुसहा थाना जिगना,जगदीश कुमार पुत्र संतलाल बिंद निवासी बघेडा खुर्द थाना जिगना तथा सौरभ विश्वकर्मा पुत्र दुर्गा प्रसाद विश्वकर्मा निवासी बघेडा खुर्द (बुदिया पुर) थाना जिगना जनपद मिजार्पुर को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से लूट के 15 हजार रुपये तथा घटना में प्रयुक्त 17 सिक्केनुमा मोहर नकली सोना बरामद किया गया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों ने पूंछ तांछ के दौरान मेजा पुलिस को बताया है कि 9 अप्रैल को चारों आरोपी उरुवा रेलवे ओवरब्रिज के पेट्रोल पंप के सामने अनूप कुमार से रुपए छीने थे। गौरतलब है कि मेजा पुलिस को यह सफलता थाना मेजा में दर्ज मुकदमें के वादी अनूप कुमार निवासी अंदावा सराय इनायत की शिकायत पर मिली है। उल्लेखनीय है कि अपराधियों की गिरफ्तारी एवं बरामदगी में पूरी सक्रियता दिखाने वाली मेजा पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सुभाष गौतम, बलवंत यादव, बृजेश यादव, जितेंद्र कुमार, रविन्द्र कुमार, कांस्टेबल चंदन यादव और लकी यादव के अलावा एसओजी टीम के प्रभारी नवीन सिंह,हेड कांस्टेबल चालक दिनेश सिंह, रंजीत यादव, आकाशदीप सिंह, सिद्धेश्वर पांडेय तथा मनोज कुमार प्रमुख रूप से शामिल थे।

विछिप्त दलित युवती से दुष्कर्म, पुलिस ने आरोपी को शांति भंग में कर दिया चालान

उतराव। उतराव थाना क्षेत्र के सराय बख्श गांव में एक विछिप्त दलित युवती के साथ दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव का ही एक युवक, जो पेशे से ट्रैक्टर चालक है, ने बुधवार की रात युवती के घर में घुसकर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। युवती की मां ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता मानसिक रूप से अस्वस्थ है और आरोपी ने इसी कमजोरी का फायदा उठाया। घटना के अगले दिन पीड़िता की मां ने उतराव थाने में आरोपी युवक के खिलाफ नामजद तहरीर दी। लेकिन, हैरानी की बात यह रही कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेने के बजाय महज शांति भंग की धाराओं में आरोपी का चालान कर उसे छोड़ दिया। इससे पीड़ित परिवार में आक्रोश है और वे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं।

नगर पंचायत सिरसा में सभासद पद के चुनाव को लेकर सरगर्मी हुई तेज, चार प्रत्याशी खरीदे फार्म

- नामांकन फॉर्म वितरण तिथि के तीसरे दिन बिके महज चार फार्म 15 अप्रैल तक उम्मीदवारों की बढ़ सकती है संख्या चुनाव को लेकर अटकलों का बाजार गर्म

मेजा। नगर पंचायत सिरसा के वार्ड संख्या छह में सभासद पद के लिए हो रहे चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई है। तीसरे दिन चल रहे नामांकन प्रक्रिया में मेजा तहसीलदार न्यायालय से अब तक केवल तीन फार्म खरीदे गए। जबकि 10 से 15 अप्रैल तक नामांकन पत्र खरीदे जाने की तिथि निर्धारित की है। उसके बाद अन्य प्रक्रिया पूरी की जाएगी। गौरतलब है कि मतदान दो मई को होना है।

उल्लेखनीय है कि सिरसा नगर पंचायत के वार्ड संख्या छह (पूरा जगन्नाथ मुहल्ला) के सभासद मोनू मिश्रा की मौत के बाद यह पद रिक्त था चुनाव की रिटर्निंग अफसर बनाई गई मेजा की तहसीलदार आकांक्षा मिश्रा ने बताया कि 15 अप्रैल तक नामांकन पत्र की बिक्री की जाएगी जिसके क्रम में शनिवार को तीसरे दिन तीन पर्चे खरीदे गए। जिसमें शिव कुमार सिंह पुत्र गणेश प्रसाद सिंह,वीरेंद्र कुमार यादव पुत्र रमाकान्त,जय विजय सिंह पुत्र अशर्फी लाल और श्रीनाथ पुत्र देवी प्रसाद ने बतौर उम्मीदवार पर्चा खरीदा। उप निर्वाचन अधिकारी एनटी लालतारा के राजेंद्र सिंह के अनुसार इस वार्ड के कुल 1026 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतगणना पांच मई को कराई जाएगी। माना जा रहा है कि सभासद पद के लिए अभी और उम्मीदवार बढ़ सकते हैं कागजी प्रक्रिया की तैयारी करने में जुटे हुए हैं।

रामकथा सुनने से मिट जाती है सौ जन्मों की व्यथा : राजन जी महाराज

जंघई। पूज्य मठिया महावीर हनुमान जी श्रीपुर गड़ौरा मेला मैदान के प्रांगण में आयोजित श्रीराम कथा विश्व प्रसिद्ध कथावाचक पूज्य राजन जी महाराज के मुखारविंद से चल रही है। कथावाचक राजन जी महाराज ने कहा कि तुलसी दास, याज्ञवल्क्य व भगवान शिव रामकथा के तीन वक्ता हुए हैं तीनों ने रामकथा की अपने ढंग से महिमा बतायी है। रामकथा सूर्य और चंद्र के समान है रामकथा सुनने से सौ जन्मों की व्यथा मिट जाती है राजन महाराज नौ दिवसीय श्रीराम कथा में प्रवचन दे रहे थे कथा की शुरूआत मंगलाचरण से हुई श्रीराम कथा के महात्म्य की कथा सुनायी गयी राजन जी महाराज ने बताया कि तुलसीदास ने रामकथा को कलियुग में कामधेनु के समान बताया है। जिस प्रकार से कामधेनु मनवांछित फल प्रदान करती है, रामकथा से भी इच्छित फल मिलता है तुलसीदास ने बताया है कि रामकथा बुद्धिजीवियों को विश्राम प्रदान करती है अर्थात यह जान लेना कि जो प्राप्त है, वह पर्याप्त हो गया है, यही विश्राम है. याज्ञवल्क्य ने रामकथा को मनुष्य के तमाम विकारों को दूर करने वाला बताया है. काम, क्रोध, मद, मोह, लोभ, मत्सर को नष्ट करके रामकथा मनुष्य को शुद्ध और बुद्ध बनाती है। रामकथा रूपी दवा को लिया जाय तो जीवन के सभी रोग समाप्त हो जाते हैं। रामकथा से मानव का जीवन संवर जाता है राजन जी महाराज ने कहा कि रामकथा के तीसरे वक्ता भगवान शिव स्वयं हैं भगवान शिव ने मां पार्वती को रामकथा सुनायी। कहा कि हम सब हैं, यह मोह है जो भगवान की मर्जी में अपनी मर्जी मिला ले वही भक्त है बाकी सब बेकार है। भगवान के भजनों की स्वर लहरियां पंडाल में गूंजती रहीं।

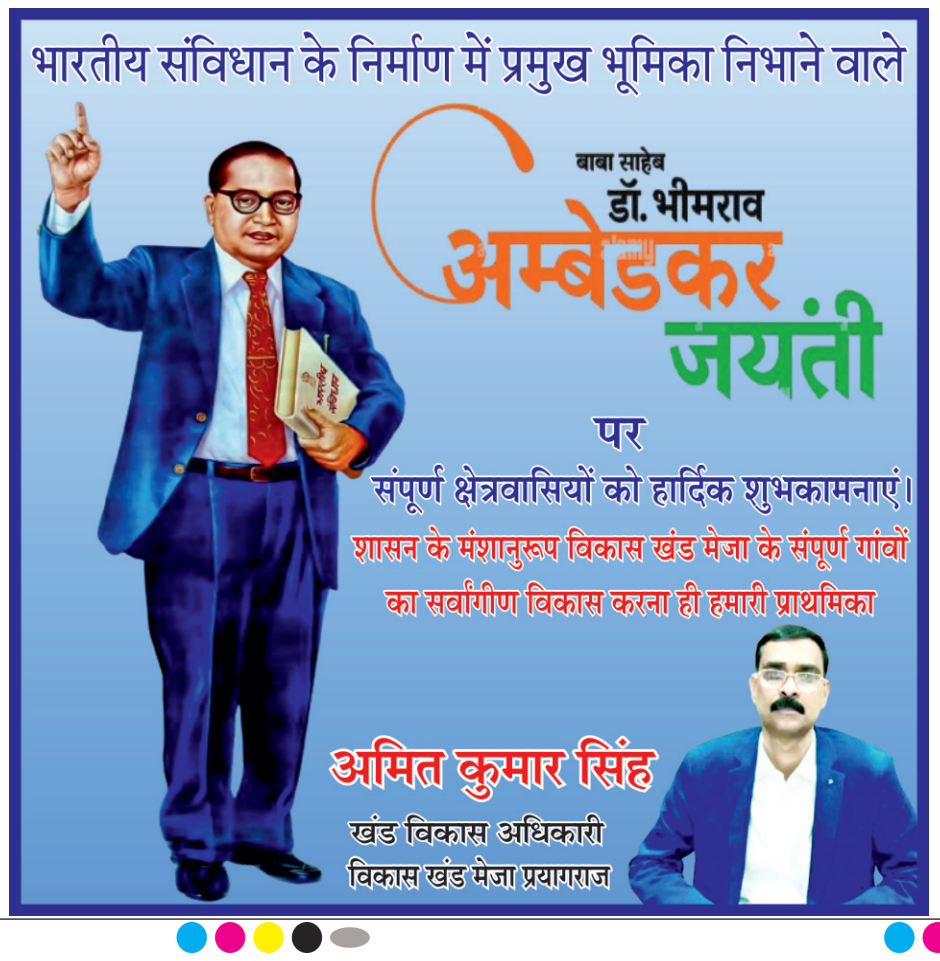

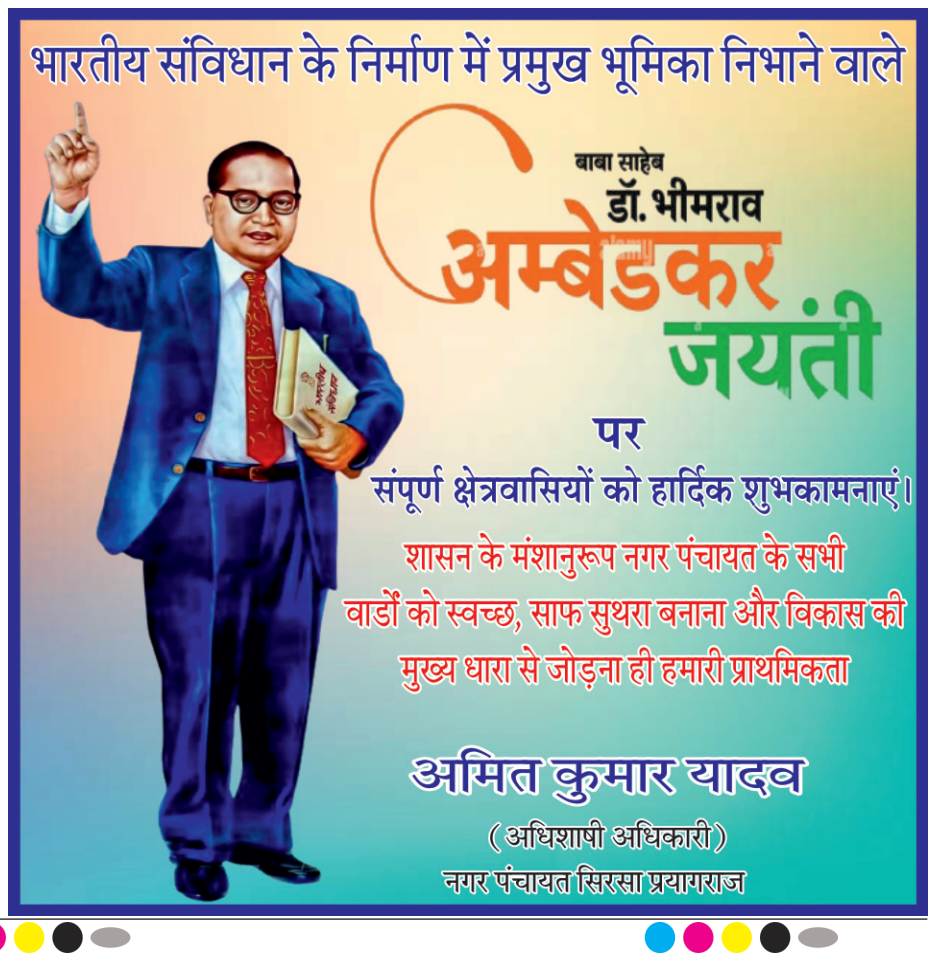

तरबूज लादकर जा रही पिकअप पलटी, चालक समेत तीन घायल

अखंड भारत संदेश

पट्टी। प्रयागराज से तरबूज लादकर अंबेडकर नगर जनपद जा रही पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे विद्युत पोल से टकराकर पलट गई। हादसे में चालक समेत तीन लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार कर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

अंबेडकर नगर जनपद के रहने वाले दीपक पुत्र रामचरण प्रयागराज जनपद से तरबूज लादकर वापस अंबेडकर नगर लौट रहा था। इस दौरान वह पट्टी प्रतापगढ़ मार्ग पर कंधई थाना क्षेत्र के तरदहा पेट्रोल पंप के समीप पहुंचा था कि अचानक झपकी आ जाने के चलते रात 12 बजे के आसपास उसकी पिकअप डाला अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे हाई वोल्टेज विद्युत पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और सड़क के बगल वाहन पलट गया। सड़क से गुजर रहे राहगीरों की सूचना पर पहुंची कंधई पुलिस घायलों को उपचार के लिए सीएचसी लाई जहां पर दीपक (20) पुत्र रामचरण, संतोष (35) पुत्र शिवपूजन, दयाराम (25) पुत्र राधेश्याम निवासी अंबेडकर नगर को हालत गंभीर होने के चलते प्राथमिक उपचार कर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

सड़क किनारे पलटी पिकअप

सड़क पर बिखरे तरबूज उठा ले गए ग्रामीण

हादसे के बाद पिकअप पर लगा तरबूज सड़क के अगल-बगल बिखर गया। रात में मौके पर जुटे ग्रामीण तरबूज लेकर भागने लगे। बाकी बचे हुए तरबूज सुबह होते ही गायब हो गए।

दलदल में फंसी गाय का किया रेस्क्यू

अखंड भारत संदेश

पट्टी। दलदल में फंसी गाय की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे फायर कर्मियों ने कड़ी मसक्कत से रेस्क्यू कर बाहर निकाला। पट्टी कस्बे के मौर्य नगर मोहल्ले में स्थित तालाब में एक आवारा गाय दलदल होने के चलते फंस गई। गाय के चिल्लाने की आवाज सुनकर मौके पर जुटे स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना नगर पंचायत को दी। मौके पर पहुंचे नगर पंचायत पट्टी के टैक्स कलेक्टर संजय श्रीवास्तव ने मामले की जानकारी फायर कर्मियों को दी। सूचना मिलते ही फायर कर्मी मौके पर पहुंचे और रस्सी के सहारे दलदल में फंसी गाय को बाहर निकाला। इस दौरान मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा रही।

न्यूज झरोखा

मनाई गयी डा० वीरेन्द्र मिश्रा की द्वितीय पुण्यतिथि

लालगंज। नगर के एच एन बहुगुणा पीजी कालेज कक्ष भागार में ख्यातिप्राप्त चिकित्सक व प्रबंध समिति के पूर्व अध्यक्ष डा० वीरेन्द्र मिश्र की द्वितीय पुण्यातिथि समारोहपूर्वक मनायी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्रबंध समिति की अध्यक्ष डॉ पूर्णिमा मिश्रा व भारत संचार निगम लिमि ० के एसडीओ इ जितेन्द्र त्रिपाठी ने स्व डा० वीरेन्द्र के चित्र पर मालर्यापण कर किया। अध्यक्षता करते हुए डॉ पूर्णिमा मिश्रा ने कहा कि डा० वीरेन्द्र ने शिक्षा तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में सामाजिक सरोकारों को प्रेरणास्पद मजबूती दी है। संचालन डॉ फणीन्द्र नारायण मिश्रा व संयोजन शिवाकांत मिश्र ने किया। वहीं कमला नेहरू बालिका इण्टर कालेज में डा० पूजा त्रिपाठी व पुनीत इण्टर कालेज में डा० वर्तिका ने डा० वीरेन्द्र को पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रधानाचार्य बीएन तिवारी, डॉ श्रृचा सुकुमार, डॉ गंगाधर मिश्रा, डॉ राजेन्द्र मिश्र, राहुल मिश्र , आरडी यादव, आदि रहे।

श्रीकृष्ण के बाल लीलाओं का किया भावपूर्ण वर्णन

प्रतापगढ़ । शहर के पल्टन बाजार में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास देवी महेश्वरी श्री ने भगवान श्री कृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं और रासलीला का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा व्यास देवी महेश्वरी ने कथा को आगे बढ़ाते हुए पूतना वध, यशोदा मां के साथ बालपन की शरारतें, भगवान श्रीकृष्ण का गो प्रेम, कालिया नाग मान मर्दन, माखन चोरी गोपियों का प्रसंग और गोर्वधन पर्वत को धारण करने जैसी श्री कृष्ण के बाल लीलाओं का वर्णन किया। इस तरह कथा व्यास देवी महेश्वरी ने भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं के माध्यम से भक्तों को उनके जीवन में प्रेम भक्ति और कर्म के महत्व को बताते हुए बताया कि भागवत कथा विचार, वैराग्य, ज्ञान और हरि से मिलने का मार्ग बता देती है। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान बीच-बीच में हो रही भजन पर श्रोता भाव विभोर होकर झूमते रहे। इस मौके पर मुख्य यजमान ओम प्रकाश मिश्र,श्रीमती विमला मिश्रा,संजय मिश्र, प्रिया मिश्रा ,पंकज मिश्र, तनु मिश्रा, डॉ श्रद्धा सिंह के साथ ही दिनेश प्रताप सिंह दिन्नू, संजीव आहूजा, रवि खंडेलवाल,अर्पित,रुचि केसरवानी सहित तमाम श्रोता उपस्थित रहे।

कोर्ट के आदेश पर दर्जन भर से अधिक आरोपियों पर केस

प्रतापगढ़। कोर्ट के आदेश पर लालगंज पुलिस ने दर्जन भर से अधिक आरोपियो के खिलाफ पीडिता के साथ जमीनी विवाद को लेकर गालीगलौज तथा धमकी व हमले को लेकर केस दर्ज किया है। लालगंज के सांगीपुर वार्ड निवासी आनन्द प्रकाश शुक्ला की पुत्री अनन्या ने कोर्ट से फरियाद में कहा है कि बीती अटठाईस दिसम्बर को रास्ते में विपक्षियो ने अवरोध खड़ा कर दिया। मना करने पर आरोपी वार्ड के ही शिवांश पुत्र रमेश, अशोक, रमेश, दिनेश पुत्रगण राधाकृष्ण, शिवम पुत्र अशोक, अमन पुत्र दिनेश, साधना पत्नी अशोक, वंदना पत्नी दिनेश, योगिता पत्नी राममोहन, अर्चना पत्नी शिवम, सरिता पुत्री अशोक, सोनाली व हर्षिता पुत्रीगण दिनेश ने जमीनी विवाद को लेकर उसके साथ गालीगलौज की। विपक्षियों ने पीडिता को घर के अंदर जान बचाने के लिए दरवाजा बंद करने पर ईट फेंक कर हमला किया। इससे उसके बायें हाथ की अंगुली में फ्रैक्चर हो गया। पुलिस द्वारा जांच के नाम पर केस न दर्ज करने पर पीडिता ने अदालत से फरियाद की। लालगंज सिविल कोर्ट के फरमान पर पुलिस ने शुक्रवार की रात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सड़क पर गिरे बिजली के तार में फंसकर बाइक सवार घायल

घायल का इलाज करते चिकित्सक

अखंड भारत संदेश

पट्टी। बुआ के घर जा रहा बाइक सवार सड़क पर गिरे बिजली के तार में अचानक फंस गया। बाइक की तेज रफ्तार के चलते दोनों तार में फंसकर बाइक समेत पलट गए। हादसे में दोनों को गंभीर चोटें आई हैं।

कंधई थाना क्षेत्र के लौवार गांव के रहने वाले संदीप हरिजन (25) पड़ोसी अजय हरिजन (24) के साथ अपनी बुआ के घर शर्मा गांव जा रहा था। इस बीच रास्ते में रमईपुर दिशिनी गांव के समीप सड़क पर गिरे बिजली के तार की चपेट में आ जाने से दोनों बाइक समेत पलट गए। हादसे में बिजली का तार गले में फंसने के चलते दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को 108 एंबुलेंस से सीएचसी पट्टी भिजवाया जहां पर दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है।

अम्बेडकर जयंती पर रामपुरखास में होगें विविध आयोजन

लालगंज। संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती पर आज सोमवार को रामपुरखास में समूचे विधानसभा क्षेत्र में विविध आयोजन होगें। विधायक एवं कॉंग्रेस विधान मंण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना के निर्देश पर कॉंग्रेस संविधान बचाओ सम्मेलनों का आयोजन किया है। दिन में तीन बजे लालगंज के फायर स्टेशन के समीप आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी व सीएल पी नेता आराधना मिश्रा मोना डॉ अम्बेडकर की प्रतिमा का लोकार्पण करेगें। वहीं राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी मध्यान्ह बारह बजे सांगीपुर ब्लाक के उस्मानपुर व विधायक मोना रामपुर संग्रामगढ़ के अलीपुर में पौने बारह बजे अंबेडकर जयंती पर आयोजित संविधान बचाओ सम्मेलन में शामिल होगीं। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने दी।

नारायण सेवा के समान है रोगी की सेवा : डॉ. वीके पाण्डेय

● विदाई समारोह में पैरा-मेडिकल के छात्राओं ने प्रस्तुत किया विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। डॉक्टर सोने लाल पटेल स्वशाषी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के वर्ष 2022-23 बैच के पैरामेडिकल छात्र-छात्राओं की रेडियोलॉजी विभाग में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर मौजूद मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर वी.के. पांडेय ने सभी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आप सब ने जिस मुकाम को चुना है,वह सेवा का क्षेत्र है। इस सेवा के क्षेत्र में बहुत कुछ मुकाम हासिल किया जा सकता है । उन्होंने कहा कि आप अपने कार्यों को गुणवत्ता पूर्वक करें। रोगी की सेवा ही भगवान की सेवा है। आप जहां भी रहे प्रगति पथ पर अग्रसर रहें और कालेज के नाम को रोशन करें। उन्होंने कहा कि यहां अच्छाई को साथ लेकर जाएं और बुराई को यहीं पर छोड़ दें। इस मौके पर पैरामेडिकल के छात्राओं में प्रिया, चांदनी, सोनिया, अलका,अनम द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये,जिससे उपस्थित लोगों ने सराहा। आयोजित विदाई समारोह में सभी छात्र-छात्राओं को विभाग द्वारा प्रशिस्तपत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। अंत में विभागाध्यक्ष डॉक्टर मयंक शुक्ल ने प्रधानाचार्य डॉक्टर वी.के. पांडेय को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर वी. के. पाण्डेय, सीएमएस पुरुष डॉ शैलेन्द्र कुशवाहा, सीएमएस महिला डॉ रीना प्रसाद, डॉ के के तिवारी,डॉ नवनीत, डॉ अनिल, डॉ राकेश चौरसिया, डॉ मोना सक्सेना, शिवेश शुक्ल,डॉ अजीत ठाकुर ,डॉ विवेक त्रिपाठी, प्रभारी रेडियोलॉजी डॉ ए के अजीजी, विभागाध्यक्ष डॉ मयंक शुक्ल, अखिलेश दुबे, नवदीप गुप्ता, आकाश यादव, राघवेन्द्र मिश्र,अमित मौर्य, विपिन दूबे, नितेश यादव,अनीस अंसारी आदि मौजूद रहे।

स्वदेशी एवं परम्परागत खेलों को बढावा देना क्रीड़ा भारती का उद्देश्य : हेमन्त

● स्थापना दिवस पर आयोजित हुआ सुंदर काण्ड पाठ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर नगर स्थित राघव सदन में क्रीडा भारती की प्रतापगढ़ ईकाई का स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर क्रीडा भारती के कार्यकताओं द्वारा श्री हनुमान जी की आराधना हेतु सुंदर काण्ड पाठ का आयोजन किया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि मौजूद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह हेमन्त कुमार ने कहा कि क्रीड़ा भारती एक राष्ट्र व्यापि खेल संगठन है, जिसमें देश के हर नागरिकों विशेषतः युवकों को शारीरिक और मानसिक खेल के प्रशिक्षण दिया जाता है इसकी स्थापना पुणे (महाराष्ट्र) में वर्ष 1992 में की गई। क्रीडा भारती बोधवाक्य है ₹क्रीडा से निर्माण चरित्र का, चरित्र से निर्माण राष्ट्र का ₹ है। उन्होंने कहा कि क्रीडा भारती का मुख्य उद्देश भारत के अन्य स्थापित खेलों के साथ स्वदेशी खेलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के परम्परागत खेलों को बढावा देना है, ताकि समाज के सभी वर्ग मैदान पर आकर खेलें तथा खेलों के माध्यम से स्वस्थ शरीर, तीक्ष्ण बुद्धि, मानसिक व संस्कार प्राप्त करें और खिलाड़ियों में राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे क्रीडा भारती के जिलाध्यक्ष ध्रुव ने क्रीडा भारती के विगत एक वर्ष का सम्पूर्ण वृत और आगामी कार्य योजना पर वृहद चर्चा करते हुए बताया कि आगामी 4 मई को क्रीडा भारती की नियोजन बैठक में आगे की रणनीति पर गहन विचार मंथन होगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पर क्रीडा भारती के महामंत्री राजेश तिवारी,कोषाध्यक्ष विक्रम सिंह, अखिलेश शर्मा, शैलेन्द्र उपाध्याय, राजीव सिंह, अवनीश श्रीवास्तव, डॉ रामकृष्ण, अमित शर्मा, अभिनव, रविकांत, राघव,आदेश दूबे, मुकेश श्रीवास्तव,अरविंद शर्मा, डॉक्टर राकेश सहित आदि रहे।

पुलिस पर हमला करने वाला एक आरोपित गिरफ्तार

बेलखरनाथ धाम। कंधई थाना क्षेत्र के दरछुट गांव में बीते 21 मार्च 2025 को दो पक्षों के बीच जमीन के विवाद को सुलझाने गए एक दरोगा एवं दीवान के साथ एक पक्ष के कुछ लोगों ने हमला करने के साथ अभद्रता किया। जिसमें दरोगा भूपेश नाथ सिंह की तहरीर पर कंधई पुलिस ने दरछुट निवासी सुभाषचन्द्र सहित अन्य के खिलाफ पुलिस पर हमला,सरकारी कार्य में बाधा डालने सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर केस दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी। बीते शनिवार को दीवानगंज चौकी इंचार्ज दीपक कुमार ने आरोपित सुभाषचन्द्र पुत्र स्व रामकेदार को प्रतापगढ़ शहर स्थित ट्रेजरी चौराहा के पास उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह कहीं भागने की फिराक में था। एसओ कंधई गुलाब चंद्र सोनकर ने बताया कि पुलिस के साथ अभद्रता एवं हमला करने के आरोपित सुभाषचन्द्र को गिरफ्तार किया गया है।

डायल 112 जीप से टकराई बाइक, दो घायल

● ग्रामीणों की मदद से दोनों को इलाज के लिए सीएचसी पट्टी लाया गया। इलाज के पश्चात चिकित्सक ने हालत गंभीर होने के चलते दोनों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

अखंड भारत संदेश

पट्टी। सूचना पर जा रही डायल 112 पुलिस जीप के सामने अचानक बाइक सवार आ गए। हादसे में बाइक सवार दोनो युवकों को गंभीर चोटें आई हैं।

कोतवाली क्षेत्र के सराय मध ई गांव निवासी शशांक गांव निवासी आदित्य के साथ डीजल लेने लालगंज बाजार जा रहा था। इस दौरान वह डेईडीह धौरहरा गांव के मोड़ के समीप पहुंचा था कि सामने से आ रही डायल 112 पुलिस जीप ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में शशांक के पैर में जहां गंभीर चोटें आई तो वहीं आदित्य को भी सीने आदि में गंभीर चोटे आ गई। मौके पर जुटे ग्रामीणों की मदद से दोनों को इलाज के लिए सीएचसी पट्टी लाया गया। इलाज के पश्चात चिकित्सक ने हालत गंभीर होने के चलते दोनों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घटना की सूचना पर मौके पर कोतवाल अवन कुमार दीक्षित भी पहुंचे और परिजनों को सूचना देने के साथ ही घायलों का हाल-चाल जाना।

तोड़कर नगदी समेत कीमती सामान चोरी

प्रतापगढ़। लीलापुर थाने के चमरूपुर शुक्लान में पैथालाजी सेण्टर में बीती शनिवार चोरी की दुस्साहसिक वारदात घटित हुई है। कोतवाली देहात के बरहुआ भोजपुर निवासी सुनील पटेल पुत्र चंद्रभूषण ने रविवार को पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि उसने चमरूपुर शुक्लान में पैथालाजी सेंण्टर खोल रखा है। शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने शटर का ताला तोड़ चोरी की घटना अजाम दी। चोरो ने गल्ले में रखे दस हजार नकदी समेत कंप्यूटर, मानीटर व रक्त जाँच संबधी कीमती चिकित्सीय मशीनें चोरी कर लिया। घटना की अगली सुबह आस पास के दुकानदारों ने शटर का ताला टूटा देख पीड़ित को सूचना दी। तहरीर में पैथालाजी सेंण्टर में काम करने वाले एक पूर्व कर्मी पर घटना में संलिप्तता की आशंका भी जताई गई है। प्रभारी निरीक्षक अरुण सिंह का कहना है घटना की जाँच की जा रही है, कार्यवाही की जायेगी।

हरी झंडी दिखाने के साथ चित्रकूट रवाना हुआ छात्रों का दल

लालगंज। स्थानीय विकास खंड के पूर्व माध्यमिक विद्यालय बेलहा के छात्रों को शैक्षणिक यात्रा पर रवाना किया गया। रविवार को प्राथमिक शिक्षक संघ के मंत्री विष्णु सिंह और विद्यालय की शिक्षा समिति के अध्यक्ष जगन्नाथ विश्वकर्मा ने छात्रों की बस को झंडी दिखाकर चित्रकूट के लिए रवाना किया। वक्ताओं ने कहा कि शैक्षणिक यात्रा छात्रों को देश की ऐतिहासिक धरोहर जुड़ी जानकारियों से परिचित कराता है। इसलिए ये यात्राएं छात्रों के लिए अनिवार्य होनी चाहिए। कार्यक्रम का संयोजन प्रधानाध्यापक लाल प्रताप सिंह व संचालन अरुण शुक्ल ने किया। इस मौके पर हेमेंद्र सिंह, पंकज मिश्र, शशि मिश्र, शशि कला सिंह, गीता शुक्ला, उत्तम सिंह, लाल अभय प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

छेड़छाड़ का आरोप, दी तहरीर

लालगंज। कोतवाली क्षेत्र की एक पीड़िता ने आरोपी पर छेड़ुछाड़ु व जानलेवा धमकी को लेकर तहरीर दी है। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देते हुए कहा कि वह घर में छोटे छोटे बच्चों के साथ रहती है। उसका आरोप है कि बीती ग्यारह अप्रैल को देर रात गाँव का ही एक आरोपी छूत के रास्ते घर में घुस आया। आरोपी उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। शोर मचाया तो अगल बगल के घरों में जगहट होने से वह भाग निकला। फोनिक सूचना पर डायल हंण्ड्रेड पुलिस पहुँची। अगली सुबह पीड़िता को आरोपी ने शिकायत करने पर जानलेवा धमकी दी। पुलिस शिकायत की जाँच में जुटी बतायी जाती है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रामीणों को किया गया प्रोत्साहित

अखंड भारत संदेश

बेलखरनाथ धाम। जीवन में पर्यावरण का संरक्षण होना बहुत जरूरी है जिसके लिये ग्रामीण को प्रोत्साहित किया गया। बाबा बेलखरनाथ धाम के सिंग्ठी खालसा गांव में रविवार को ग्राम चौपाल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता पर एक गोष्ठी का आयोजन नेचर ग्रीन फ्यूचर ट्रस्ट द्वारा किया गया, जिसका नेतृत्व युवा पर्यावरणविद् सुंदरम तिवारी ने किया।

उन्होंने गोष्ठी में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुये कहा कि जल जंगल और जमीन की रक्षा को लेकर गांव गांव इसी तरह अलख जागना चाहिये, जिससे आने वाले दिनों में लोगों को पर्यावरण संरक्षण की जानकारी मिल सके । मुख्य अतिथि के रूप में रानीगंज के फॉरेस्ट ऑफिसर नरेंद्र वर्मा ने कहा कि जब तक ग्रामीण भारत पर्यावरण का प्रहरी नहीं बनेगा तब तक सतत विकास की कल्पना अधूरी रहेगी । इस मौके पर असिस्टेंट कमांडेंट उत्कृष्ट पांडे ने राष्ट्र और प्रकृति दोनों के प्रति निष्ठा को आवश्यक आवश्यक बताया । बीडीओ बाबा बेलखरनाथ धाम राजीव पांडे ने कहा कि योजनाओं को धरातल तक पहुंचना तभी संभव है जब संवाद और सहभागिता हो, यह ग्राम चौपाल के माध्यम से गोष्ठी का आयोजन एक जीवंत उदाहरण है । इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर पर्यावरणविद् सुंदरम तिवारी ने कहा कि ग्राम चौपाल अब सिर्फ परंपरा नहीं बल्कि नवाचार और समाधान का मंच बनेगी । यह पल सिर्फ एक दिन का आयोजन नहीं बल्कि जनान्दोलन की शुरूआत है ।

इस मौके पर नेहरू युवा केंद्र, माय भारत और उड़ान यूथ क्लब जैसे संगठनों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन में अनुशासन ऊर्जा और दृष्टि का समावेश किया । इस दौरान आयोजक ग्राम प्रधान भारत सिंह ने लोगों से अपील की कि प्रत्येक गांव में पर्यावरण के लिये इसी तरह जागरूकता होनी चाहिए जिससे आने वाले दिनों में इसका लाभ जनजीवन को मिल सके ।

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

अखंड भारत संदेश

हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

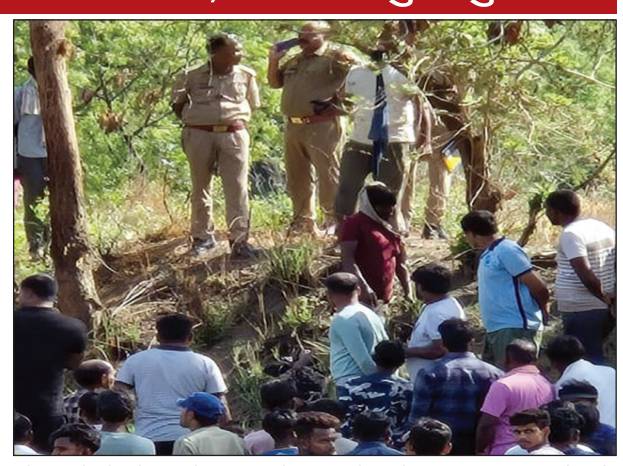

कड़ा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली अंतर्गत करनपुर चौराहे के पास नहर के किनारे रविवार की सुबह पेड़ से लटकता हुआ युवक का शव मिला है शव मिलने की जानकारी मिलते ही सनसनी मच गई ,ग्रामीणों ने सुबह शव को पेड़ पर लटकता हुआ देखा तो ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई,ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और और मामले की जांच में जुटी गयी।वही ग्रामीण और पुलिस युवक की हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने की आशंका व्यक्त कर रहे है। जानकारी के मुताबिक पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के रकसौली गॉव निवासी रामकरन पुत्र लखन सरोज घर मे बिना सूचना दिये कही चला गया था रविवार की सुबह परिजनों को मोबाइल द्वारा घटना की जानकारी मिली की रामकरन का शव पेड़ से लटकता हुआ मिला। युवक का शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। और आनन फानन में परिजन घटनास्थल पर पहुच गये और शव को देखकर चीख पुकार होने लगी। परिजनों ने आरोप लगाया कि हत्या कर शव को पेड़ से लटकाया गया। सैनी पुलिस मौके पर पहुचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के भेज दिया और जांच में जुट गई। वही युवक की मौत के बाद चार बच्चों और पत्नी का बुराहाल है । मृतक का बहनोई लुग्गी सरोज का कहना की हमारे साले की हत्या कर शव पेड़ से लटकाया गया है जिस तरह कि सैनी कोतवाली क्षेत्र के करनपुर चौराहे के पास नहर किनारे एक पेड़ से लटकता हुआ युवक का शव मिला है।

सराय अकिल में आम्बेडकर जयंती पर भव्य शोभायात्रा और डिजिटल प्रदर्शनी का आयोजन

कौशांबी। सराय अकिल में डॉ. भीमराव आम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में इस वर्ष जिले का सबसे बड़ा आयोजन देखने को मिलेगा। संत शिरोमणि रविदास पीठ के राष्ट्रीय प्रभारी शरद राव के नेतृत्व में हर वर्ष की भांति इस बार भी विशाल झांकी व शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें दर्जनों गांवों के लोग डीजे बैंड के साथ उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। यह यात्रा लगभग चार से पांच घंटे तक नगर भ्रमण करेगी। विशेष बात यह है कि इस वर्ष पहली बार डिजिटल प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रदर्शनी में बाबा साहब के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाएं, उनके विचार, और समाज के लिए किए गए कार्यों को डिजिटल माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। शाम को राव गेस्ट हाउस में एक विचार गोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा यह आयोजन जनमानस में सामाजिक समरसता, समानता और संविधान के मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

जहरीली शराब पिलाकर बेटे की हत्या करने का आरोप

युवक ने गांव की महिला से दिल लगाया, जमीन बेचकर घर उसका बनवाया, ऑटो तक दिलवाया

कौशाम्बी। जिले में एक अनोखा मामला सामने आया है जहा युवक के रुपयों से महिला को प्यार हो गया,युवक ने गांव की महिला से दिल लगाया, जमीन बेचकर घर उसका बनवाया, ऑटो तक दिलवाया लेकिन जेब खाली हुई तो रिश्ते में जहर घुल गया। युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में महिला मित्र के घर पर शव मिला तो मृतक की मां ने महिला पर जहरीली शराब पिलाकर बेटे की हत्या करने का आरोप लगाया है। सबसे सनसनीखेज बात ये है कि मरने से ठीक पहले युवक ने खुद फोन कर एक ग्रामीण को बताया थाझ मुझे शराब में जहर दे दिया गया है। करारी थाना क्षेत्र के भैला मकदूमपुर गांव का है जहा के निवासी शिव नारायण का पत्नी से अनबन के चलते मामला कोर्ट में चल रहा है और दोनों अलग रह रहे थे। इसी दौरान गांव की ही एक महिला से उसकी नजदीकियां बढ़ गई और शिव नारायण अक्सर महिला के घर ही रुकता था। प्यार में अंधा होकर उसने अपनी पुश्तैनी जमीन तक बेच दी। इस पैसे से महिला के रिश्तेदार को ऑटो दिलवाया और घर बनवाने में भी लाखों रुपये लगाए। शनिवार की सुबह शिव नारायण ने घरवालों से कहा कि वह मंझनपुर जा रहा है। कुछ ही घंटे बाद गांव के ही एक व्यक्ति को उसका फोन आया। उसने कहा, मैं अपनी महिला मित्र के घर पर हूं, मुझे शराब में जहर मिलाकर पिला दिया गया है। यह सुनते ही घर में कोहराम मच गया। परिजन जब महिला के घर पहुंचे तो शिव नारायण बेसुध पड़ा था। मुंह से झाग निकल रहा था।शिव नारायण को तत्काल मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच में जुटी हुई है। करारी थाना प्रभारी विनीत कुमार सिंह से रविवार को इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने बताया कि परिजनों द्वारा अभी तक तहरीर नहीं मिली है। तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज झरोखा

सड़क पर गिरा मिला महिला का मंगलसूत्र

कौशाम्बी। कोई महिला सड़क पर जा रही थी यह जानकारी नहीं हुई कि महिला कहां की रहने वाली है लेकिन सड़क पर महिला के गले से टूटकर मंगलसूत्र गिर गया है मामले की जानकारी पिपरी पुलिस तक पहुंची तो उसने मंगलसूत्र सड़क पर गिरे होने की जानकारी सार्वजनिक करते हुए बताया कि 13 अप्रैल को समय 05:15 शाम चायल जाते समय रास्ते में गुंगवा का बाग तिराहा पर किसी महिला का मंगलसूत्र गले से टूटकर सड़क पर गिरा पड़ा मिला है थाना पुलिस ने कहा यह लॉकेट जिस भी महिला का हो दिए हुए नंबर 9919 196696 वा 9839757273 वा 6388359521 पर सम्पर्क कर मंगलसूत्र ले जाए।

पूर्व प्रधान ने नहीं रईस अहमद ने तोड़ा था स्कूल के गेट का ताला

हर्रायपुर कौशाम्बी मूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र के प्राथमिक स्कूल जलालपुर बोरियो में 11 अप्रैल शुक्रवार की रात स्कूल के गेट का ताला तोड़कर बारात रुकवा दी गई थी,स्कूल के अंदर बारातियों ने जमकर उत्पात मचाया था और गंदगी फैलाई थी,वही दूसरे दिन शनिवार को जब स्कूल खोलने का समय आया तो स्कूल का स्टाफ और स्कूली बच्चे पहुंचे लेकिन स्कूल के गेट पर दूसरा ताला लगा हुआ था,जिसके चलते स्कूल के स्टाफ और बच्चे 10.00 बजे तक धूप में ही खड़े रहे।सूचना मिली कि पूर्व प्रधान ने ताला तोड़ा था,जिसकी शिकायत स्कूल की प्रधानाध्यापिका आशा देवी ने खंड शिक्षा अधिकारी को दी थी। जिसके बाद जानकारी की गई तो पता चला कि गांव के ही रईस अहमद की बेटी की शादी थी,जिसके लिए रईस अहमद ने स्कूल के गेट एक ताला तोड़ कर बारातियों को रुकवा दिया था।पूर्व प्रधान इसरार अहमद का इस मामले से कोई लेना देना नहीं था। प्रधानाध्यापिका आशा देवी की तहरीर पर संदीपन घाट थाना पुलिस ने रईस अहमद पर स्कूल का ताला तोड़ने, सरकारी काम में बाधा डालने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और जांच में जुट गई है।

थाना पुलिस बल द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्र में किया पैदल गश्त

कौशाम्बी पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में शांति एवं सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु जनपद की समस्त थाना पुलिस बल द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्र में पैदल गश्त किया गया तथा आमजनमानस से वार्ता कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया।पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद मे कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के क्रम मे जनपद के विभिन्न थाना पुलिस बल द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र मे संदिग्ध व्यक्ति वाहन की चेकिंग की गई एवं यातायात नियमों के बारे मे बताकर जागरूक किया गया।

वीआईपी आगमन को लेकर एडीएम एएसपी ने किया भ्रमण

कौशाम्बी। कस्बा भरवारी में वीआईपी के प्रस्तावित आगमन भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा अपर जिलाधिकारी कौशाम्बी के साथ प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल,सेफ हाउस सहित यातायात रूट व्यवस्था एवं सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया गया।

फूलपति देवी इंटर कालेज में आयोजित हुआ पूर्व सैनिक संयुक्त संस्था का वार्षिक अधिवेशन

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिक संयुक्त संस्था का वार्षिक अधिवेशन फूलपति देवी इंटर कालेज में आयोजित किया गया जिसमें प्रदेश प्रवक्ता श्रीराम शिवहरे ने बताया कि संस्था का वार्षिक अधिवेशन कौशांबी प्रयागराज क्षेत्र में संयुक्त रूप से आयोजित किया गया जिसमें प्रदेश अध्यक्ष अजमेर बहादुर सिंह के साथ उनके 9 सदस्यीय प्रदेश टीम, 4 क्षेत्रीय टीम एवं 15 जनपदों से जनपद अध्यक्ष अपने कार्यकारिणी के साथ सम्मिलित हुए। सभी अतिथियों को अंग वस्त्र स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सभा की अध्यक्षता संरक्षक राजेंद्र कुमार पांडे तथा रोशन लाल वत्स के साथ प्रमोद कुमार शुक्ला के नेतृत्व में संपन्न हुआ इस अवसर पर सैनिकों ने कहा कि पहले देश की सेवा करते थे अब देश को सजाने का कार्य भी हमारा है। सैनिक समाज की सहायता और सहयोग के साथ-साथ नागरिक जीवन में भी बेहतर कार्य करना है। सैनिकों के बेहतर समन्वय के लिए प्रयागराज महाकुंभ के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा संस्था के पदाधिकारियों को पुरस्कृत भी किया गया था। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों से आग्रह किया कि समाज को बेहतर बनाने में अपना सार्थक सहयोग प्रदान करना है, शासन एवं प्रशासन के साथ सहयोग भावना के माध्यम से सैनिकों के मान सम्मान एवं कल्याण को सुनिश्चित करना है इस वार्षिक अधिवेशन में संस्था में बेहतर कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अरुण द्विवेदी, ओ पी त्रिवेदी, महासचिव के पी सिंह चौहान, संयोजक आर पी कटियार तथा कोषाध्यक्ष ए के श्रीवास्तव के साथ सूबेदार के एन दुबे, लखनऊ से वेटरन रावत, अजय राज तिवारी, पीलीभीत से सौरभ त्रिपाठी आयोजन समिति अध्यक्ष प्रमोद शुक्ला, कौशांबी से महेंद्र सिंह प्रदेश मीडिया प्रभारी संजीव चौरसिया मनोज कुमार सिंह, कानपुर से मानसिंह रायबरेली से दल बहादुर सिंह, मथुरा से राजवीर सिंह अमेठी से शारदा प्रसाद शुक्ला सुल्तानपुर से दीपेंद्र सिंह बघेल सहित अन्य सैकड़ों पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

पीएम आवास योजना में लाभार्थियों के चयन में अनियमिता पर डीएम ने दी चेतवानी

अपात्रों को आवास दिए जाने को डीएम मधुसूदन हुल्गी ने लिया संज्ञान

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभार्थियों के चयन में अनियमिता पर डीएम मधुसूदन हुल्गी ने अधिकारियों कर्मचारियों को चेतवानी दी है।अपात्रों को आवास दिए जाने को डीएम मधुसूदन हुल्गी ने संज्ञान में लिया है।डीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में लाभार्थियों का चयन किए जाने में जांच अधिकारियों द्वारा मनमाना रिपोर्ट लगाए जाने का यह तथ्य संज्ञान में आया है कि पात्रता की जांच में सम्बन्धित जांच अधिकारी द्वारा पात्र को अपात्र एवं अपात्र को पात्र होने की रिपोर्ट लगायी जा रही है, जो नितान्त आपत्तिजनक है। शासन की मंशानुसार किसी भी योजना के लाभार्थी का चयन पूर्ण पारदर्शिता के साथ किया जाना है।उन्होंने कहा कि उपर्वर्णित तथ्यों के आलोक में यह निर्देशित किया जाता है कि अपने-अपने क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के लाभार्थियों की पात्रता/अपात्रता सम्बन्धी जांच अपने निकट पर्यवेक्षण में पूर्ण पारदर्शिता के साथ कराए जाने के लिए अधीनस्थ जांच अधिकारियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करते हुए उन्हें यह सचेत भी कर दें कि यदि जांच रिपोर्ट का सत्यापन कराए जाने पर पात्र लाभार्थी को अपात्र एवं अपात्र को पात्र बनाए जाने की पुष्टि होती है, तो सम्बन्धित के विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि अतएव उपर्वर्णित का अत्यन्त कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराएं अन्यथा शिथिल पर्यवेक्षण के लिए संबंधित अधिकारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा।

शीतला धाम मन्दिर में भ्रमण कर बालिकाओं महिलाओं को किया जागरूक

कौशाम्बी। नारी सुरक्षा स्वावलंबन की दिशा में चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5 अभियान के तहत थाना कड़ाधाम पुलिस टीम द्वारा मां शीतला धाम मन्दिर में भ्रमण कर बालिकाओं महिलाओं को उनके अधिकारों के संबंध मे बताया गया तथा महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। नारी सुरक्षा स्वावलंबन की दिशा में चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5 अभियान के तहत जनपद के समस्त थाना पुलिस टीम द्वारा अपने थाना क्षेत्र में भ्रमण कर बालिकाओं महिलाओं को उनके अधिकारों के संबंध मे बताया गया तथा महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई।

वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा वारंटी अभियुक्त मनोज पुत्र झल्लर निवासी त्रिलोक पुर को गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही पश्चात वारन्टी अभियुक्त को थाना पुलिस ने न्यायालय भेज दिया है।

हरि नाम नहीं तो जीना क्या : ब्रह्मर्षि आनंद धाम सरकार

अर्थात भगवान के भजन के बिना जीवन बेकार है

कौशाम्बी। रविवार को सिराथू विकास खण्ड अंतर्गत ग्रामपंचायत उद्दीहिन बुजुर्ग में सप्तम दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस में प्रख्यात कथा वाचक परम पूज्य आनंद धाम सरकार ब्रह्मर्षि नागेंद्र जी महाराज ने सुनाया। । कथा में आगे के प्रसंगों में अजामिल उद्धार,भक्त प्रहलाद के माध्यम से भगवान नरसिंह के अवतार के द्वारा हिरण्यकश्यप के उद्धार की कथा को भी सुनाया तथा समुद्र मंथन में निकले हुए 14 रत्नों के बारे में विस्तार से बताया भगवान वामन अवतार एवं राजा बलि के चरित्र पर विस्तार से वर्णन कर सुंदर कथा सुनाई गजराज गजेंद्र की कथा के माध्यम से परिवार एवं समाज के प्रति झूठे मोह के बारे में विस्तार से वर्णन किया सूर्यवंश की कथा को विस्तार पूर्वक कहते हुए राम जी के जन्म शिक्षा दीक्षा विश्वामित्र जी के साथ यज्ञ की रक्षा के लिए जाना ताड़का एवं सबाहु का वध एवं मारीच का सौ योजन दूर जाकर गिरना एवं अहिल्या का उद्धार सीता स्वयंवर में सीता वरमाला एवं कलेऊ भोजन के बारे में बहुत ही सुंदर तरीके से प्रसंग को सुनाया समस्त श्रोतागण मंत्र मुग्ध हो गए अयोध्या में आगमन राज तिलक की तैयारी के बीच ही 14 वर्ष का वनवास का विस्तार से वर्णन किया सुमंत द्वारा रथ में बिठाकर श्रृंगवेरपुर तक जाना निषाद राज द्वारा चरण धुल कर नौका में बिठाकर गंगा पार करने आदि से संबंधित बहुत सुंदर कथा प्रसंग का वर्णन किया चित्रकूट में रहकर 12 वर्ष व्यतीत करना एवं आगे दंडक बन में जाकर पंचवटी में निवास करना शूर्पणखा के नाक कान काटकर अपमानित करना खरदूषण का भगवान के द्वारा वध सीता जी का हरण हनुमान जी के द्वारा सीता जी की खोज तत्पश्चात समस्त राक्षसों का वध कर रावण का संहार करके सीता जी को विमान में बिठाकर पुनः वापस भगवान के साथ अयोध्या में आना एवं भगवान राम का अयोध्या में राजतिलक ग्यारह हजार वर्ष तक भगवान राम ने अयोध्या में राज्य किया भगवान का स्वधाम गमन तत्पश्चात चंद्र वंश की कथा कहते हुए भगवान कृष्ण का यदुकुल में प्राकट्योत्सव की कथा सुनाई एवं उत्सव धूमधाम से मनाया गया कथा में मुख्य कथा के आयोजक श्रीमती मुगुन देवी पत्नी गिरीश चन्द्र मिश्र , एवं सुमन देवी पत्नी अनुज मिश्र श्रोतागण नागेश मिश्र, योगेश मिश्र,अनुज मिश्र, नीरज मिश्र, अरुण मिश्र, पीयूष मिश्र,हर्ष मिश्र, आर्यन मिश्र ,भूषण तिवारी, पप्पू तिवारी, संजीव कसेरा,गौकरन तिवारी, शिवबाबू मिश्र, कमलेश दुबे, फूलचन्द्र तिवारी, संतोष कुमार पाण्डेय, शिवसागर मौर्य,आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे लोंगो ने कथा मे बैठकर कथा श्रवण कर परम आनन्द महसूस किया।

आंबेडकर पार्क, आंबेडकर की प्रतिमाओं की हुई साफ सफाई

कौशाम्बी। शासन द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में भारत रत्न, बाबा साहब डॉ.भीमराव आंबेडकर की जयंती पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज उनकी जयंती से पूर्व जनपद के सभी विभिन्न वार्डों एवं ग्राम पंचायतों आदि में स्थापित आंबेडकर पार्कों तथा आंबेडकर की प्रतिमाओं की विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर साफ सफाई कराई गई। स्वतंत्रता के अमृत काल में भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव आम्बेडकर की जयंती पर 14 से 28 अप्रैल 2025 तक विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित किया जाएगा, जनपद में धूमधाम से उत्सव के रूप में भारत रत्न, बाबा साहब डॉ.भीमराव आम्बेडकर की जयंती पर प्रार्थना सभा, क्विज, विचार गोष्ठी सहित अन्य विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

अंबेडकर जयंती पर लगा मेगा स्वास्थ्य कैम्प, सैकड़ो लोगों ने कराया इलाज

कौशाम्बी। अंबेडकर जयंती के तत्वाधान में लगे मेगा स्वास्थ्य कैम्प मैं कड़ा क्षेत्र के दर्जनों गांव के लोगों ने निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए मर्ज की दवा का वितरण किया गया। डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कड़ा ब्लॉक के दरियापुर जीता गांव में समाजसेवी तनवीर हसन के द्वारा विशाल निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में प्रयागराज के प्रतिष्ठित डॉक्टरो की टीम ने क्षेत्र के ईसी का पूर्वा अलीपुर जीता, बारा हवेली खालसा, गोविंदपुर,देवीगंज कड़ा आदि दर्जनों गाँवों से आए लगभग 580 लोगों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें परामर्शद देते हुए निशुल्क दवाइयां भी दी गई। निशुल्क स्वास्थ्य शरीर में ग्रामीण अंचल से आए गरीब मजदूर किसानों महिलाओ ने आंख कान नाक हड्डी ब्लड जाँच एवं महिला संबंधित रोगों का परामर्श देते हुए इलाज किया गया। इस दौरान इकबाल हसन सामाजिक कल्याण समिति के अध्यक्ष समाजसेवी तनवीर हसन ने बताया कि ग्रामीण अंचल में गरीब तबके के लोग बहुत से रोगों का इलाज यहां न करवा कर प्रयागराज जाते हैं और कर्ज लेकर मोटी रकम से अपना इलाज कराते हैं हमारी संस्था ऐसे ही गरीब लोगों के इलाज के लिए समय-समय पर कैंप लगाकर उनका स्वास्थ्य परीक्षण करेगी और निशुल्क दवा भी देगी। इस संसार में मानव सेवा से बड़ा दूसरा कोई पुनीत कर नहीं ऐसा कार्य करने वाले हमेशा सुखी रहते हैं। इस दौरान प्रोफेसर अनवारुल हसन सिद्धिकी, डॉ मोहम्मद कादिर,डॉक्टर श्रवण आर्या, महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अंजुम खान, बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आजाद खान,डॉ वसीम सहित दर्जनों स्वस्थ कर्मी मौजूद रहे।

विद्यार्थी परिषद कार्यकताओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

कौशाम्बी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के मंझनपुर नगर के कार्यकताओं द्वारा मंझनपुर नगर में प्रत्येक रविवार को होने वाले संडे फॉर मंझनपुर, प्लास्टिक मुक्त अभियान के अंतर्गत रविवार को विकास भवन परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया । परिसर में बिखरे प्लास्टिक एवं प्लास्टिक की बोतलों को कार्यकताओं ने इकट्ठा करके नष्ट किया। स्वच्छता अभियान के दौरान बियर की भी बोतलें परिसर में बिखरी हुई मिली। प्रांत कार्यसमिति सदस्य शिवांशु शुक्ला ने बताया नगर में प्रत्येक रविवार को छात्रों के व्यक्तित्व विकास के लिए रचनात्मक एवं सृजनात्मक कार्यक्रम किए जाते हैं । नगर के छात्र प्रत्येक रविवार को अपना 1 घंटे का समय समाज हित के लिए देते हैं । नगर मंत्री दिव्यांश द्विवेदी ने बताया विकास भवन के ठीक बगल में भारी मात्रा में कूड़ा पड़ा हुआ है जिस पर प्रशासन की नजर नहीं है अराजक तत्व परिसर में आकर के बियर ,शराब पीकर के बोतलों को फेंक कर चले जाते हैं ।प्रशासन को इन सब चीजों पर ध्यान देनी चाहिए वही सिराथू के दारानगर के कार्यकताओं द्वारा हनुमान मंदिर पर संडे फॉर दारानगर के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया कार्यक्रम में नगर एसएफडी संयोजक कृष विश्वकर्मा, नगर एसएफडी सह संयोजक कार्तिकेय गौतम, नगर एसएफएस संयोजक अनिरुद्ध गौतम ,नगर सह मंत्री कृष्णा श्रीवास्तव ,जिला संगठन मंत्री अश्वनी सिंह ,नगर संगठन मंत्री कमल पटेल, शुभम पाल ,दारानगर मंत्री पवन भट्ट, बालवीर, गणेश ,विश्वास कुमार, कपिल ,ऋषभ सहित विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने स्वच्छता अभियान चलाया।

सम्पादकीय

बेलगाम फीस की वसूली- प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर लगाम कब

दिल्ली के कई प्राइवेट स्कूलों के बाहर मनमानी फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अभिवावक प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वहीं वसंतकुंज स्थित एक प्राइवेट स्कूल ने तो अभिभावकों के स्कूल परिसर में आने पर प्रतिबंध तक लगा दिया है।

प्राइवेट स्कूलों द्वारा फीस में बेलगाम बढ़ोतरी की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्राइवेट स्कूलों के संचालकों में मुनाफा कमाने का लालच इस कदर बढ़ता जा रहा है कि वे सारी सीमाओं को तोड़ते जा रहे हैं। स्कूल से जबरदस्ती महंगी किताबें खरीदने के लिए मजबूर करने का मामला हो या फिर तय की गई दुकानों से ही घटिया क्वालिटी की ड्रेस ज्यादा कीमत पर खरीदने का दबाव हो, ऐसा लगता है कि इनपर कोई कानून या नियम लागू नहीं होता है।

प्राइवेट स्कूलों की लॉबी इतनी ज्यादा मजबूत हो गई है कि अब इन्हें सरकारों का भी कोई भय नहीं रहा है। शुक्रवार को दिल्ली के एक नामी-गिरामी स्कूल से ऐसी खबर आई जिसने सबको स्तब्ध कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली के एक बड़े स्कूल ने तो बच्चों को ही बंधक बना लिया था। बताया जा रहा है कि दिल्ली के एक बड़े स्कूल में फीस बढ़ोतरी को लेकर वहां पढ़ने वाले बच्चों के अभिवावक प्रदर्शन कर रहे थे और इस बीच स्कूल के प्रबंधकों ने कुछ बच्चों को लाइब्रेरी में बंधक बना लिया। एक न्यूज चैनल ने तो यहां तक दावा किया है कि बच्चों को लाइब्रेरी में बंद करने के मामले की जांच साउथ वेस्ट डीएम लक्ष्य सिंहल ने की और उन्होंने यह भी माना कि जब वे जांच करने स्कूल पहुंचे तो उन्होंने खुद बच्चों को लाइब्रेरी में बैठे हुए पाया। डीएम ने जांच की रिपोर्ट शिक्षा विभाग को भेज दी है। उम्मीद करते हैं कि दिल्ली की बीजेपी सरकार इस स्कूल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए एक उदाहरण सेट करेगी ताकि भविष्य में कोई भी स्कूल इस तरह की हरकत करने के बारे में सोच भी नहीं सके।

दिल्ली के कई प्राइवेट स्कूलों के बाहर मनमानी फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अभिवावक प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वहीं वसंतकुंज स्थित एक प्राइवेट स्कूल ने तो अभिभावकों के स्कूल परिसर में आने पर प्रतिबंध तक लगा दिया है। सही मायनों में कहा जाए तो यह स्कूलों की तानाशाही है और इस देश की सरकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कई तरह के सवाल खड़े करती है।

देश की राजधानी दिल्ली में 1700 के लगभग प्राइवेट स्कूल हैं। इनमें सरकारी जमीन पर बने प्राइवेट स्कूल 448 हैं। सरकार द्वारा बनाए गए नियम के हिसाब से सभी स्कूलों को हर साल फाइनेंशियल स्टेटमेंट देना जरूरी होता है। अगर शिक्षा निदेशालय को फीस बढ़ोतरी गलत लगती है, तो वो इसे रोक सकती है और स्कूल को बढ़ी हुई फीस अभिवावकों को वापस देनी होगी।

बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव से जुड़े जीवन-संकट

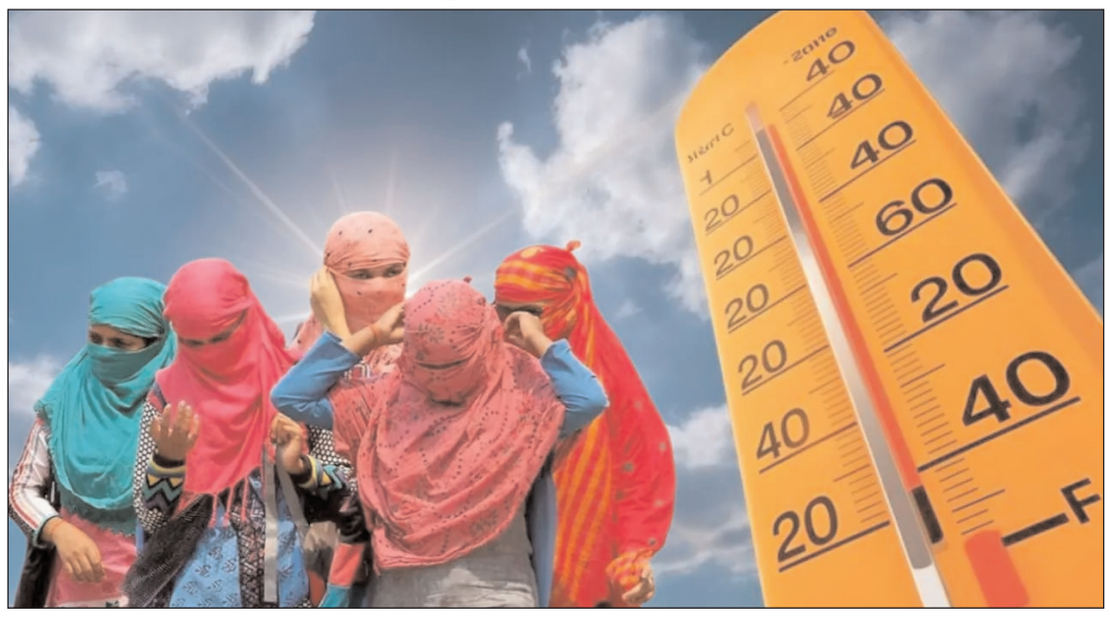

-ललित गर्ग-

भारत में इस समय गर्मी एवं हीट वेव का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, खासकर उत्तर भारत के अनेक राज्यों विशेषतः गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में अप्रैल के प्रारंभ में ही बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव लोगों को अपनी चपेट में लेने लगी, कई शहरों में पारा 44-45 डिग्री तक चढ़ गया है। राजस्थान के बाडमेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जो चिन्ताजनक होने के साथ अनेक समस्याओं एवं परेशानियों का सबब है। लगातार बढ़ती गर्मी के आंकड़े एक बार फिर जलवायु परिवर्तन के परिणामों और इसकी वजह से खड़े हुए संकट को ही दर्शा रहे हैं। अधिक तापमान पानी की गंभीर कमी का कारण बन सकता है, कृषि को प्रभावित कर सकता है और विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम का कारण बन सकता है। भीषण गर्मी एवं लू का प्रकोप लोगों की सेहत, कार्य-क्षमता और उत्पादकता पर गंभीर खतरा है। विश्व बैंक के एक अध्ययन के मुताबिक, देश का करीब 75 फीसदी कार्यबल कृषि और निर्माण क्षेत्र में गर्मी का सीधे सामना करने वाले श्रम पर निर्भर करता है। इसके मुताबिक साल 2030 तक गर्मी के प्रकोप से जुड़ी उत्पादकता में गिरावट की वजह से दुनिया भर में कुल होने वाली नौकरियों के नुकसान में अकेले भारत का योगदान करीब 43 फीसदी तक हो सकता है।

इस बार बढ़ती गर्मी के पूराने सारे रेकॉर्ड तोड़ देने की चेतावनी दी जा रही हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। गुजरात एवं राजस्थन के अनेक स्थानों पर अभी से गर्मी इतनी तेज है कि कुछ ही दिनों में धरती तवे की तरह तपने लगेगी। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर हो सकते हैं। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम, हमारी सुविधावादी जीवनशैली और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम से ही गर्मी कहर बरपाती है और प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने आती हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा, अन्यथा आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम और गरीबी दोनों मारती है।

प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा तापमान में लगातार असंतुलन सामान्य घटना नहीं है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। भले ही कोई इस विनाशकारी स्थिति को तात्कालिक घटना कहकर खारिज कर दे लेकिन जमीनी सच्चाई यह है की बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स का पिघलना और हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरें की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता है। कथित विकास की बेहोशी से दुनियां को जागना पड़ेगा। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से ह्यतीसरा ध्रुवह्न कहे जानें वाले हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति ह्यलिटल आइस एजह्न के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। विशेषज्ञों के एक अनुमान के अनुसार अंटार्कटिका के ग्लेशियर के पूरी तरह से पिघलने पर पृथ्वी की ग्रेविटेशनल पावर शिफ्ट हो जाएगी। इससे पूरी दुनिया में भारी उथल पुथल देखने को मिलेगी। पृथ्वी के सभी महाद्वीप आंशिक रूप से पानी के भीतर समा जाएंगे। भारी मात्रा में जैव-विविधता को हानि पहुंचेगी। पृथ्वी पर रहने वाली हजारों प्रजातियां भी खत्म हो जाएंगी। पृथ्वी पर एक विनाशकारी एवं विकराल स्थिति का उद्भव होगा। इसके साथ ही दुनियां भर में करोड़ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर माइग्रेट करना पड़ेगा।

दुनियाभर में कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी अनेक संकटों की दस्तक है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगहों पर धारा 144 लागू करना इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है ।

वर्तमान वैश्विक पटल पर भारत के लिए आपदा में अवसर हैं

प्रह्लाद सबनानी

कुल मिलाकर पूरे विश्व में विभिन्न देशों के बीच अब नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। यूरोपीयन यूनियन के समस्त सदस्य देश आपस में मिलकर अब अपनी सुरक्षा स्वयं करना चाहते हैं। अभी तक ये देश अमेरिका के सखा देश होने के चलते अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहते थे।

अमेरिका ने अन्य देशों से अमेरिका में होने वाली आयातित उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर विश्व के लगभग समस्त देशों के विरुद्ध एक तरह से व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। इससे यह आभास हो रहा है आगे आने वाले समय में विभिन्न देशों के बीच सापेक्ष युद्ध न होकर व्यापार युद्ध होने लगेगा। चीन से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर तो अमेरिका ने 145 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। एक तरह से अमेरिका की ओर से चीन को यह खुली चुनौती है कि अब अपने उत्पादों को अमेरिका में निर्यात कर के बताए। 145 प्रतिशत के आयात कर पर कौन सा देश अमेरिका को अपने उत्पादों का निर्यात कर पाएगा, यह लगभग असम्भव है। इससे चीन की अर्थव्यस्था छिन्न भिन्न हो सकती है, यदि चीन, अमेरिका के स्थान पर विश्व के अन्य देशों को अपने उत्पादों का निर्यात नहीं बढ़ा पाया। बगैर प्रत्यक्ष युद्ध किए, अमेरिका ने चीन पर एक तरह से विजय ही प्राप्त कर ली है और चीन की अर्थव्यवस्था को भारी नुक्सान करने के रास्ते खोल दिए हैं, हालांकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी। परंतु, ट्रम्प प्रशासन ने विश्व के 75 देशों पर लागू किए गए टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। इससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर अन्यथा होने वाले विपरीत प्रभाव को बहुत बड़ी हद तक कम कर लिए गया है। अमेरिका संभवत चाहता है कि आर्थिक मोर्चे पर चीन पर इतना दबाव बढ़ाया जाए कि चीन की जनता चीन के वर्तमान सत्ताधरियों के विरुद्ध उठ खड़ी हो और चीन एक तरह से टूट जाए। अमेरिका ने लगभग इसी प्रकार का दबाव बनाकर सोवियत रूस को भी तोड़ दिया था।

कुल मिलाकर पूरे विश्व में विभिन्न देशों के बीच अब नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। यूरोपीयन यूनियन के समस्त सदस्य देश आपस में मिलकर अब अपनी सुरक्षा स्वयं करना चाहते हैं। अभी तक ये देश अमेरिका के सखा देश होने के चलते अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहते थे। परंतु, वैश्विक स्तर पर बदली हुई परिस्थितियों के बीच इन देशों का अमेरिका पर विश्वास कम हुआ है एवं यह देश आपस में मिलकर अपनी स्वयं की सुरक्षा व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। आगे आने वाले समय में यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश अपने सुरक्षा बजट में भारी भरकम वृद्धि कर सकते हैं। यहां, भारत के लिए अवसर निर्मित हो सकते हैं क्योंकि भारत में हाल ही के समय में सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादों की नई एवं भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता निर्मित हुई है। भारत आज सुरक्षा के क्षेत्र में तेजी से न केवल आत्म निर्भर हो रहा है बल्कि भारी मात्रा में उत्पादों का निर्यात भी करने लगा है। आज सिंगापुर जैसे विकसित देश भी भारत से सुरक्षा उत्पाद खरीदने हेतु करार करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यदि यूरोपीयन देशों के साथ भारत की पटरी ठीक बैठ जाती है तो सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं मौजूद है। भारत, यूरोपीयन देशों के साथ सामूहिक तौर पर द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने के प्रयास भी कर रहा है।

इसी प्रकार, आगे आने वाले समय में यदि चीन के निर्यात अमेरिका को कम होते हैं तो चीन से विनिर्माण इकाईयों का पलायन तेजी से प्रारम्भ होगा। संभवत इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र, टेक्स्टायल क्षेत्र, फार्मा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, प्रेशस मेटल के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही है, क्योंकि, उक्त समस्त क्षेत्रों से चीन, अमेरिका को भारी मात्रा में निर्यात करता है। अब 145 प्रतिशत के टैरिफ की दर पर चीन में निर्मित उत्पाद अमेरिका में नहीं बिक पाएंगे। अतः भारत के लिए इन समस्त क्षेत्रों में अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही हैं। टेक्स्टायल के क्षेत्र में तो वर्तमान में भारत के पास बहुत भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता भी उपलब्ध है। टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत के पड़ौसी देश ही अधिक प्रतिस्पर्धी बने हुए हैं, जैसे बंगलादेश, पाकिस्तान, चीन, वियतनाम आदि। इस समस्त देशों पर अमेरिका द्वारा लगाई गई टैरिफ की दर, भारत की तुलना में कहीं अधिक है। अतः टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत में निर्मित विभिन्न उत्पाद तुलनात्मक रूप से अधिक प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। इसका सीधा सीधा लाभ भारतीय टेक्स्टायल उद्योग द्वारा उठाया जा सकता है। इसी प्रकार, मोबाइल फोन का उत्पादन करने वाली विश्व की सबसे बड़ी कम्पनियों में से सैमसंग एवं ऐपल नामक कम्पनियां भारत में अपनी उत्पादन क्षमता में भारी भरकम वृद्धि करने के बारे में विचार कर रही हैं। वर्ष 2024 में भारत से 2040 करोड़ अमेरिकी डॉलर के मोबाइल फोन का निर्यात विभिन्न देशों को हुआ हैं, यह वर्ष 2023 में हुए निर्यात की राशि से 44 प्रतिशत अधिक है। और, मोबाइल फोन के निर्यात में हुई इस भारी भरकम वृद्धि में ऐपल एवं सैमसंग कम्पनियों का योगदान सबसे अधिक रहा है। केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई उत्पादन प्रोत्साहन योजना का लाभ भी भारत में मोबाइल निमार्ता कम्पनियों ने भारी मात्रा में उठाया है। भारत आज स्मार्ट मोबाइल के उत्पादन के क्षेत्र में पूरे विश्व में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यदि वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां इसी प्रकार बनी रहती हैं तो शीघ्र ही भारत मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ जाएगा।

अन्य क्षेत्रों में उत्पादन करने वाली बहुराष्ट्रीय बड़ी बड़ी कम्पनियां भी अपनी विनिर्माण इकाईयों को चीन से स्थानांतरित कर भारत में स्थापित कर सकती हैं। कोविड महामारी के खंडकाल के समय भी यह उम्मीद की जा रही थी और चीन+1 नीति का अनुपालन करने के सम्बंध में कई कम्पनियों ने घोषणा की थी परंतु उस समय पर कई कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों को ताईवान, वियतनाम, एवं थाईलैंड, आदि जैसे छोटे छोटे देशों में ले गईं थी और इसका लाभ भारत को बहुत कम मिला था। परंतु, आज परिस्थितियां बहुत बदली हुई हैं। छोटे छोटे देशों में बहुत भारी मात्रा में उत्पादन करने वाली विनिर्माण इकाईयां स्थापित करने की बहुत सीमाएं हैं। इन देशों में श्रमबल की उपलब्धता सीमित मात्रा में है। जबकि भारत में इस दौरान आधारिक संरचना एवं मूलभूत सुविधाओं में अतुलनीय सुधार हुआ है और भारत में श्रमबल भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

आज जापान, इजराईल, ताईवान, रूस, जर्मनी, फ्रान्स, आस्ट्रेलिया आदि विकसित देश श्रमबल की कमी से जूझ रहे हैं। कई विकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि दर लगभग शून्य के स्तर पर आ गई है। बल्कि, कुछ देशों में तो जनसंख्या में कमी होती हुई दिखाई दे रही है। दूसरे, इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ती जा रही है और इन प्रौढ़ नागरिकों की देखभाल के लिए भी युवा नागरिकों की आवश्यकता है। अब कुछ देशों जैसे जापान, इजराईल, ताईवान आदि ने भारत सरकार से भारतीय नागरिकों के इन देशों में बसाने के बारे में विचार करने को कहा है। इजराईल सरकार ने लगभग 1 लाख भारतीयों की मांग भारत सरकार से की है, जापान सरकार ने भी लगभग 2 लाख भारतीयों की मांग की है एवं ताईवान सरकार ने भी लगभग 1 लाख भारतीयों की मांग की है। भारत आज विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे युवा देश है। अतः भारत आज इस स्थिति में है कि अपने नागरिकों को इन देशों में बसाने के लिए भेज सके। वैसे भी विश्व के कई देशों में आज लगभग 4 करोड़ भारतीय मूल के नागरिक निवास कर रहे हैं एवं इन देशों की अर्थव्यवथा में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मजबूत भागीदारी सुनिश्चित कर रहे हैं। भारतीय नागरिक वैसे भी हिंदू सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हैं एवं इन देशों में शांतिपूर्ण तरीके से जीवन यापन करते हैं। इतिहास गवाह है कि भारत ने कभी भी किसी भी देश पर अपनी ओर से आक्रमण नहीं किया है। भारतीय नागरिक ह्यवसुधैव कुटुम्बकमह्न की भावना में विश्वास रखते हैं अतः किसी भी देश में वहां के स्थानीय नागरिकों के साथ तुरंत घुलमिल जाते हैं। अतः भारत के लिए विभिन्न देशों को श्रमबल उपलब्ध कराने के क्षेत्र में भी अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही है।

कुल मिलाकर भारत सरकार ने भी विभिन्न देशों के साथ अपने द्विपक्षीय व्यापार समझौतों को शीघ्रता के साथ अंतिम रूप देना प्रारम्भ कर दिया है क्योंकि आगे आने वाले समय में विश्व व्यापार संगठन की उपयोगिता लगभग समाप्त हो जाएगी और आगे आने वाले समय में विदेशी व्यापार के क्षेत्र में दो देशों के बीच आपस में किए गए द्विपक्षीय व्यापार समझौते ही अपनी विशेष भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। अतः भारत सरकार को इन देशों से होने वाले द्विपक्षीय समझौतों में भारत के हितों की रक्षा करने पर विशेष ध्यान देना होगा।

भौतिक चकाचौंध व सोशल मीडिया से बढ़ रहे रिश्तों के कत्ल

योगेंद्र योगी ।

आंकडों के मुताबिक पूरे देश में कुल 28 हजार 522 कत्ल के मामले सामने आए। ये तमाम कत्ल 19 अलग अलग वजहों से हुए। मसलन, निजी दुश्मनी, सांप्रदायिक और धार्मिक वजह, राजनीतिक वजह, डायन प्रथा, जातिवाद, विवाद, या लूट-डकैती।

विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम की सीख देने वाले भारत जैसे आध्यत्म और शांति की धरा वाले देश में बढ़ती भौतिक विलासिता की चकाचौंध और सोशल मीडिया का जिन्दगी में बढ़ता दखल, पारिवारिक-सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है। संबंधों में तकरार और फिर नृशंस तरीके से हत्या जैसे मामलों ने देश को झकझौर कर रख दिया है। मेरठ की मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपुत की हत्या कर दी। ऐसे ही मुजफ्फरनगर की पिंकी ने अपने आशिक के लिए अपने पति अनुज को जहर पिलाकर मार दिया। रिश्तों में हत्या का ऐसा ही प्रकरण बेंगलुरू में देखने को मिला, वहां के हुलीमावु क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या करके उसकी बॉडी को सूटकेस में भर दिया। देश के अलग-अलग शहरों में हो रही ऐसी हत्याओं ने देश की जनता को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया। आखिर ये सिलसिला कहां जकर थमेगा? इन घटनाओं ने सोचने-समझने के लिए मजबूर कर दिया है कि आखिर यह देश किस दिशा में जा रहा है।

पिछले कुछ वक्त से देश के अलग-अलग हिस्सों से ऐसी खबरें आ रही हैं, जिनमें पति पत्नी का और पत्नी पति का कत्ल कर देती है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय की रिपोर्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में दुनिया भर में कुल 51 हजार 100 महिलाओं और लड़कियों का कत्ल हुआ है। इनमें से 60 फीसदी के करीब कत्ल महिलाओं या लड़कियों के अपने पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने किया। एक रिपोर्ट कहती है कि देश भर में हर साल औसतन 225 लोगों को उनकी पत्नियां कत्ल कर देती हैं और लगभग 275 पत्नियां अपने पति के हाथों मारी जाती हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में हर ग्यारवें मिनट में एक महिला या लड़की का कत्ल होता है। इनमें से औसतन हर रोज 140 महिलाओं या लड़कियों का कत्ल उनके घर के अंदर होता है।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन और लंदन स्कूल ऑफ हाइजिन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड साउथ एफ्रिकन मेडिकल रिसर्च काउंसिल की रिपोर्ट कहती है वर्ष 2022 में दुनिया भर में कुल 48 हजार 800 महिलाओं और लड़कियों के कत्ल हुए थे और इनमें से भी 60 फीसदी से ज्यादा कत्ल पार्टनर, पति या फैमिली मेंबर ने ही किए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों के मामलों में अफ्रीका पहले नंबर पर था और एशिया दूसरे नंबर पर। ऐसे अपराधों में अब 2023 में एशिया पहले नंबर पर है और अफ्रीका दूसरे नंबर पर है। आंकड़ा कहता है कि पार्टनर पति या रिलेशनशिप में दुनिया भर में जितने कत्ल होते हैं, उसकी 58 फीसदी शिकार महिलाएं या लड़कियां होती हैं। लेकिन चौंकाने वाला आंकड़ा ये भी है कि इसी पार्टनर और रिलेशनशिप की वजह से 42 फीसदी पुरुषों का भी कत्ल होता है। अर्थात यह अंतर ज्यादा नहीं है। ब्रिटिश मेडिकल जनरल लेनसेट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 60 फीसदी महिलाओं के कत्ल मौजूदा या फिर पूर्व पार्टनर की वजह से होती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में महिलाओं के कत्ल का सबसे ज्यादा खतरा उन्हीं के मौजूदा या पूर्व पार्टनर से ही होता है। जबकि पूर्व या मौजूदा महिला पार्टनर के हाथों पुरुषों के कत्ल का प्रतिशत सिर्फ साढ़े 6 फीसदी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक देश में हर साल कितने पति अपनी पत्नी का या पत्नी अपने पति का कत्ल करती हैं। एनसीआरबी के 2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इश्क और रिश्तों में लोग अब जान नहीं देते बल्कि जान लेते हैं। भारत में जिन वजहों से सबसे ज्यादा कत्ल होते हैं। उनमें लव अफेयर और शादी के बाद संबंधों के मामलों में होने वाला कत्ल तीसरे और चौथे नंबर पर आता है। देश में होने वाले हर 10 में से औसतन एक कत्ल किसी ना किसी आशिक-माशूक या पति-पत्नी के हाथ से ही होता है।

आंकडों के मुताबिक पूरे देश में कुल 28 हजार 522 कत्ल के मामले सामने आए। ये तमाम कत्ल 19 अलग अलग वजहों से हुए। मसलन, निजी दुश्मनी, सांप्रदायिक और धार्मिक वजह, राजनीतिक वजह, डायन प्रथा, जातिवाद, विवाद, या लूट-डकैती। परेशान करने वाली बात यह है कि इन 19 वजहों में से तीसरी और चौथी नंबर पर कत्ल की जो वजह बनी वो इश्क, धोखा, फरेब और शादी के बाद के संबंध थे। 28 हजार 522 कत्ल के कुल मामलों में से कुल 2 हजार 821 कत्ल इसी वजह से हुए। ऐसा नहीं है कि इश्क में पहले कत्ल नहीं हुआ करते थे। पहले भी आशिकों ने हाथों में खंजर या तमंचे उठाए हैं। लेकिन 2010 के बाद से पति-पत्नी, इश्क, बेवफाई और अवैध संबंध की वजह से होने वाले कत्ल की तादाद तेजी से बढ़ी।

पिछले 15 सालों के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो साफ पता चलता है कि जैसे जैसे सोशल मीडिया का चलन बढ़ा पति पत्नी के रिश्ते, शादी के बाद के संबंध और इश्क और खूनी होता चला गया। आंकड़ों के हिसाब से 2010 से 2014 के दरम्यान लव अफेयर और संबंधों की वजह से होने वाले कत्ल का प्रतिशत 7 से 8 फीसदी था। लेकिन 2015 से 2022 के दरम्यान ये बढ़कर 10 से 11 फीसदी हो गया। ये गिनती लगातार बढ़ती जा रही है। एनसीआरबी के डेटा के मुताबिक 2022 में देशभर में खुदकुशी के कुल 17 हजार 924 केस दर्ज हुए थे। जिनमें से अकेले शादी से जुड़े मामलों में 8 हजार 204 पति या पत्नी ने खुदकुशी की। जबकि इश्क के चलते 7 हजार 692 प्रेमी जोड़ों में से किसी एक ने खुदकुशी कर ली। इसके अलावा अवैध संबंधों की वजह से भी 855 लोगों ने खुदकुशी की। एनसीआरबी के अलावा नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के एक आंकड़ें के मुताबिक 4 फीसदी शादीशुदा महिलाओं ने ये माना है कि वो अपने पति को शारिरिक तौर पर चोट पहुंचाती है।

मेहनत की मिट्टी में समाई उम्मीदें- चित्रकूट में आंधी-बारिश ने उजाड़ा किसानों का जीवन

- मौसम विभाग की चेतावनी अनसुनी
- अन्नदाता परेशान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। शनिवार देर रात प्रकृति ने बुन्देलखण्ड के किसानों पर कहर बरपाया। तेज आंधी और मूसलधार बारिश ने खेतों में खड़ी और खलिहानों में रखी रबी की फसलों को तहस-नहस कर दिया। कहीं गेहूं की बालियां पानी में सड़ रही हैं, तो कहीं तैयार फसल हवा में उड़कर खेतों से बाहर बिखर गई है। जिले के ग्रामीण अंचलों में रविवार सुबह का सूरज किसानों के लिए एक नई चिंता लेकर उगाः अब क्या खाएंगे? कर्ज कैसे चुकाएंगे?

कई गांवों में किसान अभी कटाई में जुटे ही थे कि तेज आंधी ने उनके अरमानों को उड़ा दिया। खलिहान में रखी फसलें भीग गईं और अब सड़ने के कगार पर हैं। खेतों में कड़ी मेहनत से तैयार की गई फसलें पानी में डूबकर बर्बाद हो गईं। इन हालात में किसान अपनी पीड़ा छिपा नहीं पा रहे- उनकी आंखों में आंसू हैं और मन में भविष्य का डर। प्राकृतिक आपदा के बाद अब प्रशासनिक संवेदनशीलता की परीक्षा है।

प्रशासन की तैयारी नाकाफी

मौसम विभाग ने पहले ही आंधी और बारिश की चेतावनी जारी कर दी थी, लेकिन जिला प्रशासन इस पर सोया रहा। न तो कोई अलर्ट जारी किया गया, न ही किसानों को बचाव के उपाय सुझाए गए। जब कहर बरप चुका, तब जाकर प्रशासन की नींद टूटी और अब नुकसान का सर्वे कराया जा रहा है।

विधायक ने उठाई आवाज, सीएम व डीएम को लिखा पत्र

इस आपदा की गंभीरता को समझते हुए सदर विधायक अनिल प्रधान ने सीएम योगी आदित्यनाथ एवं डीएम को पत्र लिखकर किसानों की पीड़ा से अवगत कराया। लिखा कि चित्रकूट समेत पूरे बुन्देलखण्ड में 12 अप्रैल की रात आई बेमौसम बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की रबी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। खेत और खलिहान दोनों उजड़ चुके हैं। किसान अब भूख, कर्ज और जीवन के संकट में घिर गए हैं। विधायक ने मांग की है कि प्रशासन तुरंत सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करे ताकि उन्हें इस विपदा से कुछ राहत मिल सके। डीएम से अपील की कि इस आपदा को गंभीरता से लें व प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजा दिलवाया जाए।

मौके पर कटी हुई गीली फसल

किसानों की पुकार : मुआवजा दो

गांव-गांव में किसान अब शासन से यही मांग कर रहे हैं कि उन्हें जल्द से जल्द आर्थिक मदद दी जाए। हमने दिन-रात मेहनत की, फसल खड़ी थी, बस कटाई बाकी थी। अब तो सब पानी में बह गया। बैंक का कर्ज कैसे चुकाएंगे? यह सवाल अब हर किसान के चेहरे पर लिखा है।

जच्चा-बच्चा वार्ड बना मौत का कमरा : 18 घंटे की लापरवाही ने छीन ली माँ की जिंदगी

- चौथे प्रसव के बाद महिला की मौत
- परिजनों का फूटा गुस्सा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला अस्पताल के जच्चा-बच्चा वार्ड में शनिवार को जो हुआ, उसने न केवल एक मासूम बच्ची को माँ के साए से महरूम कर दिया, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की संवेदनहीनता को भी उजागर कर दिया। सदर तहसील के रेहुंटा गांव निवासी आरती (30) की प्रसव के बाद हुई मौत को लेकर परिजनों ने डॉक्टर व अस्पताल स्टाफ पर 18 घंटे तक लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

पति बच्चा वाल्मीकि ने बताया कि आरती को शुक्रवार शाम करीब चार बजे जिला अस्पताल लाया गया था। रात करीब नौ बजे उसने एक बच्ची को जन्म दिया। इसके कुछ समय बाद आरती को पेट दर्द और तेज रक्तस्राव होने लगा। आरती ने बार-बार डॉक्टरों और स्टाफ से मदद की गुहार लगाई, लेकिन हर बार कहा गया कि बच्चा होने के बाद ऐसा होता है। रात भर टालमटोल होती रही, दर्द बढ़ता गया, लेकिन इलाज नहीं हुआ। शनिवार की सुबह फिर हालत बिगड़ी, और दोपहर में आरती की मौत हो गई। घटना की जानकारी पर परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। सुरक्षाकर्मी व पुलिस को मौके पर आना पड़ा। परिजनों ने लापरवाही के खिलाफ तहरीर सौंपी है। सीएमएस ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। ड्यूटी पर तैनात स्टाफ से जवाब तलब किया गया है। नवजात बच्ची फिलहाल पूरी तरह स्वस्थ बताई जा रही है।

बैंक बना मैनेजर की जागीर : कोड ऑफ कंडक्ट या दबंगई का लाइसेंस?

- नियमों की आड में बचने की कोशिश
- बैंकिंग सिस्टम की गरिमा खतरे में

निरंजन पाण्डेय

चित्रकूट। जिले में एक बैंक मैनेजर का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा में है, जिसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह एक बैंक मैनेजर अपनी कुर्सी से उठकर दबंगई व गुंडे के अंदाज में ग्राहक के साथ मारपीट करता है। वीडियो सिर्फ किसी एक घटना की झलक नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र में बैठे एक अधिकारी की मानसिकता और सिस्टम की लापरवाही का आईना बन चुका है। हैरानी की बात है कि वही मैनेजर अपने बचाव में बैंक के कोड ऑफ कंडक्ट का हवाला दे रहा है और कह रहा है कि बैंक परिसर में वीडियो रिकॉर्डिंग नियमों के खिलाफ है। सवाल है कि क्या नियम तोड़ने पर कोई अधिकारी खुद ही जज बनकर फैसला सुनाएगा और मारपीट करेगा?

अगर ग्राहक का वीडियो बनाना गलत था, तो बैंक में तैनात सुरक्षा कर्मियों को बुलाकर, उच्च अधिकारियों को सूचित करके कार्रवाई की जा सकती थी। लेकिन इस मैनेजर ने नियमों को दरकिनार कर खुद को सुरक्षा गार्ड मान लिया और खुलेआम मारपीट शुरू कर दी। इस पूरी घटना ने बैंकिंग सिस्टम, अधिकारियों की भर्ती प्रक्रिया व पदोन्नति के मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि यह वही अधिकारी है, जिसका हाल ही में प्रमोशन हुआ है, जबकि बैंक स्टाफ व ग्राहकों के अनुसार उसका व्यवहार पहले से ही उग्र, भ्रष्ट और अनुशासनहीन रहा है।

आज वह नियमों की दुहाई देकर खुद को पाक साफ साबित करना चाहता है, मगर सवाल है कि क्या नियमों की आड़ में गुंडई जायज हो जाती है? क्या किसी बैंक मैनेजर को कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार है? अगर वीडियो बनाना अपराध था, तो मैनेजर ने कोड ऑफ कंडक्ट फालो करते हुए पुलिस में रिपोर्ट क्यों नहीं कराई? स्पष्ट है कि बैंक का यह अधिकारी बैंक को अपनी निजी जागीर समझ बैठा है और नियमों की आड़ में खुलेआम कानून का मजाक उड़ा रहा है। यदि समय रहते पिछले महीनों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाती, तो शायद यह मैनेजर पहले ही निलंबित हो चुका होता।

गांव-गांव तक विकास का संदेश : शानू गुप्ता ने चलाया जनजागरण अभियान

- बीजेपी का गांव चलो/वार्ड चलो अभियान

अखंड भारत संदेश

जनसंवाद करते शानू गुप्ता

चित्रकूट। भारतीय जनता पार्टी के गांव चलो-वार्ड चलो अभियान में रविवार को वार्ड संख्या 24 गोकुलपुरी में भाजपा के युवा नेता शानू गुप्ता ने जनजागरण अभियान चलाते हुए आमजन को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने व्यापारियों, किसानों, मजदूरों और युवाओं को सरकारी पत्रक वितरित कर बताया कि किस प्रकार केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं जीवन बदलने का कार्य कर रही हैं।

शानू गुप्ता ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक मंच पर मजबूती से खड़ा है। पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से लेकर गरीबों के कल्याण तक, हर क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुआ है। कहा कि 2047 तक भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना तभी साकार होगा जब हर नागरिक योजनाओं का लाभ ले और दूसरों को भी जागरूक करे। अभियान में पार्षद लवकुश यादव, बूथ अध्यक्ष राजेंद्र अग्रहरि सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में शिवम गुप्ता, मोटू यादव, पवन गुप्ता, विवेक यादव, सुशील पाण्डेय सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

गांव-गांव और वार्ड-वार्ड तक पहुंची भाजपा, जनसंपर्क का संग्राम

चित्रकूट। भारतीय जनता पार्टी चित्रकूट द्वारा गांव चलो, वार्ड चलो अभियान के तहत जिले के 328 ग्राम पंचायतों और 60 से अधिक वार्डों में विशाल जनसंपर्क अभियान चलाया गया। जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य के नेतृत्व में इस अभियान में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जन-जन तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाई।

जनसंवाद के माध्यम से भाजपाइयों ने सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी आमजन को दी। जिलाध्यक्ष कोटार्य ने कहा कि यह अभियान जन संवाद का सशक्त उदाहरण है, जिससे संगठन की जड़ें और मजबूत हो रही हैं। पूर्व मंत्री उपाध्याय ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने वादों को धरातल पर उतारा है। वहीं आनंद शुक्ल ने बताया कि भाजपा हर वर्ग-किसान, मजदूर, महिला, युवाकृके उत्थान के लिए कटिबद्ध है। मीडिया प्रभारी भागवत त्रिपाठी ने बताया कि 10 से 13 अप्रैल तक चले इस अभियान में लाभार्थी संवाद, शोभायात्राएं, और शिक्षण संस्थानों में संवाद जैसे कार्यक्रम आयोजित हुए।

शानू गुप्ता की पहल से चित्रकूट व दिल्ली के बीच जुड़ी श्रद्धा की डोर

- सीएम रेखा गुप्ता को कामदगिरि का आमंत्रण

अखंड भारत संदेश

सीएम रेखा गुप्ता के साथ शानू गुप्ता

चित्रकूट। भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट अब दिल्ली की सियासी धड़कनों से जुड़ती दिखाई दे रही है। दिल्ली की सीएम श्रीमती रेखा गुप्ता से राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन शानू गुप्ता ने औपचारिक मुलाकात की और उन्हें चित्रकूट भ्रमण का ससम्मान निमंत्रण दिया।

इस भेंट में शानू गुप्ता ने सीएम रेखा गुप्ता को भगवान कामतानाथ की पावन तस्वीर व वैजयंती माला भेंट की। इस धार्मिक उपहार के माध्यम से उन्होंने चित्रकूट की आध्यात्मिक महिमा को रेखांकित करते हुए कहा कि चित्रकूट केवल धर्म की भूमि नहीं, आस्था, संस्कृति और आध्यात्म का जीवंत संगम है, जहां आकर आत्मा को शांति मिलती है। शानू गुप्ता ने बताया कि सीएम रेखा गुप्ता व उनके परिवार का चित्रकूट से पुराना और आत्मीय संबंध रहा है। अभी हाल ही में उनके पति मनीष गुप्ता चित्रकूट की धार्मिक यात्रा पर आए थे और चित्रकूट के धार्मिक स्थलों का दर्शन किया। सीएम रेखा गुप्ता ने भी इस आमंत्रण पर आत्मीयता से प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चित्रकूट भारत की आध्यात्मिक पहचान है। इस धरती पर आना सौभाग्य की बात है। जल्द ही मैं अपने परिवार और टीम के साथ चित्रकूट दर्शन हेतु योजना बनाऊंगी। सीएम के सहयोगी नरेश जैन, धीरज, विशाल पांडेय, मोहित आदि जन प्रतिनिधि भी लगातार राजधानी के नागरिकों की समस्याओं और जनभावनाओं को सीएम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

चित्रकूट में स्वास्थ्य सेवा यात्रा 2.0 शुरू 150 ग्राम पंचायतों में लगे शिविर

स्वास्थ्य सेवा यात्रा में बैठे माननीय

चित्रकूट। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के मौके पर दीनदयाल शोध संस्थान और नेशनल मेडिको ऑर्गनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में चित्रकूट धाम स्वास्थ्य सेवा यात्रा 2.0 का शुभारंभ हुआ। यह सेवा यात्रा 12 से 14 अप्रैल तक चित्रकूट की 50 किलोमीटर परिधि में आने वाले 150 ग्राम पंचायतों में आयोजित की जा रही है।

कार्यक्रम का उद्घाटन मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने किया। उन्होंने कहा कि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। ऐसे में स्वस्थ नागरिक और सांस्कृतिक संस्कार, दोनों आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार पूरे देश में 75 हजार मेडिकल सीटों में वृद्धि कर रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सकें।

शिविर में देशभर के मेडिकल कॉलेजों से आए 100 वरिष्ठ चिकित्सक व 500 से अधिक मेडिकल छात्र भाग ले रहे हैं, जो 75 टीमों में विभाजित होकर स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित कर रहे हैं। 13 व 14 अप्रैल को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक शिविरों का आयोजन होगा। इसके बाद स्वास्थ्य जागरूकता के लिए ग्राम भ्रमण किया जाएगा। अभय महाजन ने बताया कि यह सेवा यात्रा न केवल चिकित्सीय सेवा है, बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में जनजागरण का अनूठा उदाहरण है। इस मौके पर स्वामी विश्वात्मानंद, जानकी महल के सीताशरण महाराज, ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो भरत मिश्रा, एनएमओ के डॉ विवेक चौकसे, डीआरआई के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे।

भाभी-देवर के विवाद में पहुँची पुलिस से ग्रामीणों की झड़प, वीडियो वायरल

मौके पर पुलिस से झड़प करती महिलाएं

चित्रकूट। कर्वी कोतवाली क्षेत्र के चित्रागोकुलपुर गांव में भाभी-देवर के पारिवारिक विवाद में पहुँची पुलिस को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। पूछताछ में पुलिस और देवर पक्ष के परिजनों के बीच कहासुनी बढ़ गई, जो झड़प में तब्दील हो गई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। बताया कि बहु ने चौकी में तहरीर दी थी, जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच के लिए गांव पहुँची थी। पुलिस के मुताबिक वे सिर्फ मामले की जानकारी लेने गए थे, लेकिन पूछताछ के दौरान महिलाओं ने उन्हें घेर लिया और दबाव बनाने की कोशिश की। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी प्रकार की वसूली का आरोप बेबुनियाद और भ्रामक है। वहीं विपक्षी पक्ष का आरोप है कि पुलिस पक्षपात कर रही थी और जब इस पर सवाल उठाया गया तो पुलिसकर्मियों ने अभद्रता की। पुलिस ने इस पूरे घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए बताया कि मामला संज्ञान में है और आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

स्मार्टफोन और कंप्यूटर को ट्रंप के टैरिफ से राहत

अमेरिकी सरकार ने स्मार्टफोन, कंप्यूटर और दूसरे इलेक्ट्रोनिक सामानों को टैरिफ से अलग कर दिया है. अमेरिकी कंपनियां ये सभी सामान ज्यादातर चीन से मंगाती हैं. अब इन्हें चीन पर लगे 125 फीसदी टैरिफ की सूची से निकाल दिया गया है.

अमेरिकी कस्टम और सीमा सुरक्षा एजेंसी ने सामान के आयात-निर्यात से जुड़े लोगों के लिए जारी एक नोटिस में उन टैरिफ कोड्स की सूची दी है जिन पर शुल्क नहीं लगेगा. कस्टम एजेंसी की सूची में 20 तरह के प्रॉडक्ट शामिल किए गए हैं, जिनमें एक व्यापक कोड 8471 भी है. यह सभी तरह के कंप्यूटरों, लैपटॉप, डिस्क ड्राइवर्स और ऑटोमेटिक डाटा प्रोसेसिंग डिवाइसों पर लागू होता है. इसमें सेमीकंडक्टर डिवाइस, उपकरण, मेमोरी चिप और फ्लैट पैनल डिस्प्ले भी शामिल हैं.

नोटिस में यह नहीं बताया गया है कि ट्रंप प्रशासन ने ऐसा क्यों किया, लेकिन इससे अमेरिका की बहुत सारी टेक कंपनियों को राहत मिली है जिनमें एपल, डेल टेक्नोलोजी और सामान आयात करने वाली अन्य बेशुमार कंपनियां हैं.

व्यापार युद्ध क्या है और अमेरिका-चीन का यह युद्ध कितना बड़ा है?

व्हाइट हाउस का कहना है कि इन प्रॉडक्ट्स को चीनी सामान पर लगाए गए ट्रंप के 'रेसिप्रोकल टैरिफों' से ही राहत मिलेगी, जो इस हफ्ते बढ़कर 125 प्रतिशत हो गया. ट्रंप ने पहले सभी चीनी सामानों पर जो 20 प्रतिशत ड्यूटी लगाई गई थी, वह जारी रहेगी. लेकिन अधिकारियों का कहना है कि ट्रंप जल्द ही सेमीकंडक्टरों को लेकर एक नई राष्ट्रीय सुरक्षा व्यापार जांच शुरू करेंगे, जिससे इस सेक्टर पर नए टैरिफ लगाए जा सकते हैं.

महंगाई की मार

दूसरी तरफ, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलीन लेविट ने कहा है कि ट्रंप ने साफ कर दिया है कि अमेरिका सेमीकंडक्टर, चिप, स्मार्टफोन और लैपटॉप जैसी तकनीकी मैन्युफैक्चरिंग के लिए चीन पर निर्भर नहीं रह सकता. उनके मुताबिक ट्रंप के निर्देश पर एपल समेत बड़ी टेक कंपनियां, चिप बनाने वाली एनवीडिया और ताइवानी सेमीकंडक्टर कंपनी जल्द

ही अमेरिका में अपनी मैन्युफैक्चरिंग करना शुरू कर देंगे.

स्मार्टफोन और कंप्यूटरों को नए टैरिफों से बाहर निकालने से एक बात साफ हो जाती है कि ट्रंप प्रशासन को अब यह अहसास हो रहा है कि टैरिफों के चलते आम लोगों पर कितना असर होगा, जो पहले ही महंगाई से परेशान हैं. खासकर अब स्मार्टफोन, लैपटॉप और दूसरे इलेक्ट्रोनिक सामान उनकी पहुंच से बाहर होने लगेंगे. विश्लेषकों का अनुमान है कि चीनी आयात पर अगर 54 प्रतिशत टैरिफ भी लगाए जाते हैं

तो आईफोन के सबसे नए मॉडल का दाम 1,599 डॉलर से बढ़कर 2,300 डॉलर तक जा पहुंचेगा. और अगर टैरिफ 125 प्रतिशत हुए तो इसका मतलब होगा कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार रुक ही जाएगा.

चुनाव की चिंता

अमेरिकी सेंसस ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका ने 2024 में चीन से सबसे ज्यादा स्मार्टफोन ही आयात किए. उसने करीब 41.7 अरब डॉलर के स्मार्टफोन मंगाए. इसके बाद चीन में बने लैपटॉप कंप्यूटरों के आयात की बारी आती है, जिनका कुल मूल्य 33.1 अरब डॉलर था.

ट्रंप पिछले साल यह वादा कर राष्ट्रपति चुनाव जीते कि वे महंगाई को कम करेंगे, जो कोरोनो महामारी और यूक्रेन पर रूस के हमले की वजह से बहुत बढ़ गई है. दरअसल महंगाई के मुद्दे की वजह से पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके डेमोक्रैट्स सहयोगियों को बहुत नुकसान उठाना पड़ा. लेकिन ट्रंप ने यह भी वादा किया था कि वो टैरिफ लगाएंगे और यह उनके आर्थिक एजेंडे का मुख्य आधार बन गया. अब उनके तथाकथित 'रेसिप्रोकल टैरिफों' से अमेरिका में मंदी आने का खतरा बढ़ गया है और उन्हें अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं की आचोलना झेलनी पड़ रही है. रिपब्लिकन पार्टी नहीं चाहती कि अगले साल होने वाले कांग्रेस के चुनावों में वह डैमोक्रेट्स के हाथों प्रतिनिधि सभा और सीनेट में अपना बहुमत खो दे. डैमोक्रेट्स जमकर ट्रंप की आर्थिक नीतियों को निशाना बना रहे हैं।

अंतरिम सरकार पांच साल तक सत्ता में नहीं रह सकती : वरिष्ठ बीएनपी नेता

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की वरिष्ठ नेता सेलिमा रहमान ने अंतरिम सरकार से दिसंबर में राष्ट्रीय चुनाव कराने के अपने वादे को पूरा करने का आग्रह करते हुए कहा कि अंतरिम सरकार को पांच साल तक सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है।

ढाका में बांग्लादेश डिप्लोमा मेडिकल एसोसिएशन की केंद्रीय कार्यकारी समिति के विशेष परिषद सत्र में बीएनपी स्थायी समिति की नेता ने कहा, हम निष्पक्ष चुनाव चाहते हैं। गृह मामलों के सलाहकार ने कहा है कि देश चाहता है कि यह सरकार पांच साल तक सत्ता में रहे। लेकिन हम जानते हैं कि लोग वास्तव में क्या चाहते हैं।

डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, यह एक अंतरिम सरकार है और इसका उद्देश्य दीर्घकालिक जिम्मेदारियां लेना नहीं है। उन्होंने गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी की इस सुझाव के लिए आलोचना की कि लोग चाहते हैं कि सेना समर्थित अंतरिम सरकार पांच साल तक सत्ता में रहे।

विश्व व्यापार संगठन में अमेरिका के 'पारस्परिक टैरिफ' गैंगस्टर तर्क पर पलटवार किया

बीजिंग। विश्व व्यापार संगठन के माल व्यापार परिषद की पहली वार्षिक बैठक के दूसरे दिन अमेरिका ने 'अन्य मामलों' के अंतर्गत 'पारस्परिक टैरिफ' विषय को जोड़ा और तथाकथित 'पारस्परिक टैरिफ' को लागू करने के अपने गैंगस्टर तर्क को बढ़ावा दिया। चीनी प्रतिनिधि ने दृढ़ता से इसका जवाब दिया। चीनी प्रतिनिधि ने बताया कि एक दिन पहले हुई बैठक में चीन ने तथाकथित 'पारस्परिक टैरिफ' पर अपनी स्थिति स्पष्ट रूप से बता दी थी। चीन अमेरिका द्वारा व्यापार उपायों में एकतरफा वृद्धि पर गहरा खेद व्यक्त करता है, जिसने वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी अनिश्चितता में धकेल दिया है। अमेरिका द्वारा प्रतिदिन उत्पन्न किए जाने वाले आश्चर्य और उथल-पुथल से वह स्थिर वातावरण नष्ट हो रहा है, जिस पर सभी देशों और सभी

सदस्यों, विशेषकर विकासशील सदस्यों के व्यवसाय विकास के लिए निर्भर करते हैं। चीन राष्ट्रीय सुरक्षा के दुरुपयोग का दृढ़ता से विरोध करता है। चीनी प्रतिनिधि ने 'अमेरिकी टैरिफ के दुरुपयोग का विरोध करने पर चीनी सरकार की स्थिति' में व्यक्त किए गए विचारों को दोहराया, 'चीन एक प्राचीन सभ्यता और शिष्टाचार का देश है। चीनी लोग दूसरों के साथ ईमानदारी और विश्वास के साथ व्यवहार करने में विश्वास करते हैं। हम परेशानी नहीं भड़काते, लेकिन हम इससे डरते भी नहीं हैं। दबाव और धमकियां चीन से निपटने का सही तरीका नहीं है।' चीन का दृढ़ विश्वास है कि सदस्यों के बीच व्यापार मतभेद कभी भी एकतरफा कदम उठाने और टैरिफ युद्ध शुरू करने का बहाना नहीं हो सकता। व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता। चीन विश्व व्यापार संगठन को अपने केंद्र में रखकर बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को बहुत महत्व देता है और महानिदेशक नगोजी ओकोन्जो-इवेला के इस आह्वान का समर्थन करता है कि 'विश्व व्यापार संगठन एक महत्वपूर्ण वार्ता मंच है और सहयोगात्मक ढांचे के भीतर समस्याओं का समाधान करना अत्यंत आवश्यक है।'

दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून पर चलेगा आपराधिक मुकदमा, जानें क्या हैं आरोप?

सोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ पहला आपराधिक मुकदमा इस सप्ताह शुरू होने वाला है। यह मुकदमा दिसंबर में मार्शल लॉ की घोषणा के कारण पद से हटाए जाने के 10 दिन बाद हो रहा है। रविवार को अदालत के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है।

सोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में सोमवार सुबह 10 बजे यून पर राजद्रोह के आरोपों की सुनवाई शुरू होगी। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, आरोपी के रूप में यून को मुकदमे में शामिल होना होगा।

यून आपराधिक मुकदमे का सामना करने वाले पांचवें पूर्व राष्ट्रपति होंगे।

उन्हें कोर्ट में भूमिगत पार्किंग के रास्ते प्रवेश करने की अनुमति होगी और कोर्ट ने इमारत के पास संभावित रैलियों को रोकने के लिए पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए हैं।

मीडिया को सुनवाई शुरू होने से पहले कोर्ट रूम में तस्वीरें लेने की अनुमति नहीं होगी।

औपचारिक प्रक्रिया के तहत यून को शुरू में अपना नाम, जन्मतिथि, पेशा और निवास स्थान बताना

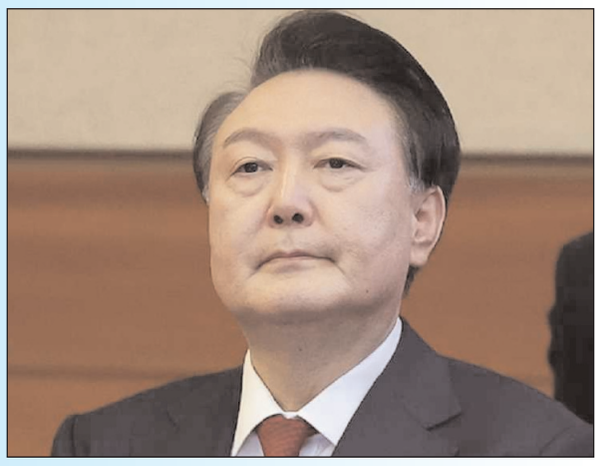

होगा। इसके बाद अभियोजन पक्ष यून पर लगे आरोपों को रखेगा, जिन्हें उनकी तरफ से खारिज करने की उम्मीद है। पूर्व राष्ट्रपति जज से अपना पक्ष रखने का अवसर भी मांग सकते हैं।

अगर यून को राजद्रोह का नेतृत्व करने के आरोप में दोषी ठहराया जाता है, तो उन्हें आजीवन कारावास या मृत्युदंड का सामना करना पड़ सकता है।

कैपिटल डिफेंस कमांड के फर्स्ट सिक्योरिटी ग्रुप के कमांडर चो सुंग-ह्यून और स्पेशल वारफेयर कमांड के फर्स्ट स्पेशल फोर्सेस बटालियन के प्रमुख किम ह्यूंग-की सोमवार को गवाह के रूप में पेश होंगे।

यून के महाभियोग सुनवाई के दौरान संवैधानिक न्यायालय में चो ने गवाही दी थी कि उन्हें तत्कालीन कैपिटल डिफेंस कमांडर ली जिन-वू ने बीते साल 3 दिसंबर को मार्शल लॉ घोषित करने के बाद नेशनल असेंबली से सांसदों को बाहर निकालने के लिए सैनिक भेजने का आदेश दिया था। ऐसा माना जाता है कि किम को भी उसी रात अपने वरिष्ठ से ऐसा ही आदेश मिला था।

राजदूतों ने तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर पहली बार की सीधी बातचीत

ईरान

ईरान के सरकारी प्रसारक ने शनिवार को खुलासा किया कि पश्चिम एशिया के लिए अमेरिकी राजदूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संक्षेप में बातचीत की। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल के बाद से यह पहली बार है कि दोनों देशों ने परमाणु कार्यक्रमों को लेकर आमने सामने की बातचीत की है।

मस्कट। ईरान और अमेरिका के राजदूतों ने तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रमों पर शनिवार को बातचीत की और अगले सप्ताह दोनों के बीच इस मामले में दूसरे दौर की बातचीत होगी। ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल ने अपनी एक खबर में यह जानकारी दी। ईरान के सरकारी प्रसारक ने शनिवार को खुलासा किया कि पश्चिम एशिया के लिए अमेरिकी राजदूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संक्षेप में बातचीत की। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल के बाद से यह पहली बार है कि दोनों देशों ने परमाणु कार्यक्रमों को लेकर आमने सामने की बातचीत की है।

खबर में बताया गया कि भले ही दोनों पक्षों के बीच संक्षिप्त बातचीत हुई लेकिन यह वार्ता अच्छी रही। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय एवं आवास व्हाइट हाउस ने शनिवार दोपहर एक बयान जारी किया और बातचीत को बेहद सकारात्मक तथा रचनात्मक करार दिया।

हालांकि बयान में यह भी कहा गया कि जिन मुद्दों का हल तलाशा जाना हैं वे बेहद जटिल हैं।

पश्चिम एशिया के लिए अमेरिकी समाचार टीवी चैनल ने वित्तपोषण में कटौती के बाद कर्मचारियों को हटाया

पश्चिम एशिया

व्हाइट हाउस से इस मामले पर शनिवार को प्रतिक्रिया मांगी गई, लेकिन तत्काल कोई जवाब नहीं आया। दुबई में अल हुर्रा समाचार वेबसाइट में काम करने वाले मिस्र के पत्रकार मोहम्मद अल-सबाग ने एपी को बताया कि वेबसाइट और टेलीविजन चैनल के सभी कर्मचारियों को अनुबंध समाप्त करने संबंधी ईमेल प्राप्त हुए हैं।

अमेरिका से आर्थिक सहायता पाने वाले अरबी के एक टीवी चैनल और न्यूज वेबसाइट के प्रमुख ने ट्रंप प्रशासन और एलन मस्क पर

गैर-जिम्मेदाराना और गैर-कानूनी तरीके से वित्तपोषण में कटौती करने का आरोप लगाते हुए अधिकतर कर्मचारियों को नौकरी से हटाने और टीवी कार्यक्रमों में कटौती करने की घोषणा की है।

हमास ने जारी किया इजरायली-अमेरिकी बंधक का वीडियो, सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

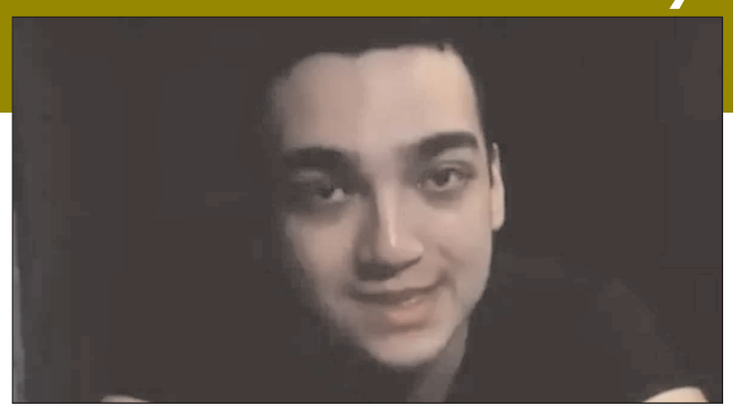

गाजा। हमास की सैन्य शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड ने इजरायली-अमेरिकी बंधक एडन अलेक्जेंडर का एक वीडियो जारी किया है, जिसे 7 अक्टूबर, 2023 से गाजा पट्टी में बंधक बनाकर रखा गया है। शनिवार को जारी वीडियो में एडन शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान दिखाई दे रहा है। उसने कहा, "मैं यहां क्यों हूं, अपने परिवार और दोस्तों के साथ घर पर क्यों नहीं हूं?"

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एडन का जन्म इजरायल के तेल अवीव में हुआ था और वह अमेरिका के न्यू जर्सी में पला-बढ़ा है। साल 2022 में हाई स्कूल पास करने के बाद वह सेना में भर्ती होने के लिए इजरायल लौट आया था। 7 अक्टूबर, 2023 को फिलिस्तीनी उग्रवादियों ने दक्षिणी इजरायल पर हमले के दौरान उसे अगवा कर लिया था।

हमास की ओर से जारी किए गए वीडियो में एडन ने अपनी परेशानियों को बताया और गाजा में चल रही इजरायली सैन्य कार्रवाइयों के बीच अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने इजरायली सरकार पर उनकी रिहाई सुनिश्चित न करने का आरोप भी लगाया।

वीडियो जारी होने के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने एडन अलेक्जेंडर के परिवार से बात की और आश्वासन दिया कि सभी बंधकों की रिहाई के लिए गहन प्रयास जारी हैं।

बता दें कि इजरायल और हमास के बीच छह सप्ताह का पहला युद्धविराम 1 मार्च को खत्म हो गया और दूसरे चरण की बातचीत रुकी हुई है।

उल्लेखनीय है कि 7 अक्टूबर, 2023 के हमले के दौरान बंधक बनाए गए 251 लोगों में से 59 अभी भी गाजा में कैद हैं। इजरायल का मानना है कि इनमें से 24 जिंदा हैं।

14 मार्च को हमास ने कहा कि उसने मध्यस्थों को एडन और चार अन्य बंधकों के शवों को रिहा करने की सहमति दी थी। इजरायली सेना ने 18 मार्च से गाजा में हवाई हमले फिर से शुरू किए हैं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इन हमलों में अब तक 1,563 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 4,004 घायल हुए हैं।

ओमान में ईरान-अमेरिका वार्ता : समझौते तक पहुंचा सकता है बशर्ते...

मस्कट। ईरान और अमेरिका शनिवार को ओमान में 'अप्रत्यक्ष उच्च स्तरीय वार्ता' कर रहे हैं। तेहरान ने जोर देकर कहा है कि चर्चा केवल परमाणु मुद्दों पर होगी। ईरानी मीडिया ने शनिवार को बताया कि यह वार्ता ओमानी विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी की मध्यस्थता में होगी।

ईरान की तस्नीम समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, "ईरान ने बार-बार इस बात पर जोर दिया कि वह इन वाताओं में धमकियों को स्वीकार नहीं करेगा।"

ईरानी विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ वार्ता एक समझौते तक पहुंच सकती है, बशर्ते कि वाशिंगटन 'आवश्यक और पर्याप्त' राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करे।

अराघची मस्कट वार्ता में देश के

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। मध्य पूर्व के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ अमेरिकी प्रतिनिधि होंगे।

आईआरएनए समाचार एजेंसी ने शनिवार को अराघची के हवाले से कहा, "यदि दूसरा पक्ष समान स्तर के दृष्टिकोण के साथ वार्ता की मेज पर आता है, तो यह एक मौका होगा जो बातचीत के लिए एक मार्ग निर्धारित करेगा।"

अराघची यह बात कहते रहे हैं कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से 'शांतिपूर्ण और वैध' है। उनका यह भी कहना है कि ईरान अपनी परमाणु गतिविधियों के बारे में किसी भी मौजूदा अस्पष्टता को हल करने के लिए तैयार है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मार्च के अंत में एनबीसी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में धमकी दी कि यदि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत करने से इनकार करता है तो वह उस पर 'अभूतपूर्व सैन्य हमले' करेंगे।

ईरान ने 2015 में विश्व शक्तियों के साथ परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसे औपचारिक रूप से ज्वाइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन (जेसीपीओए) के रूप में जाना जाता है। जेसीपीओए को ईरान परमाणु समझौता या ईरान डील के नाम से भी जाना जाता है। इसके तहत प्रतिबंधों में राहत और अन्य प्रावधानों के बदले में ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने पर राजी हुआ था।

इस समझौते को 14 जुलाई 2015 को वियना में ईरान, पी5+1 (संयुक्त राष्ट्र के पांच स्थायी सदस्य- चीन, फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका- प्लस जर्मनी) और यूरोपीय संघ के बीच अंतिम रूप दिया गया।

अमेरिका ने 2018 में समझौते से खुद को अलग कर लिया और 'अधिकतम दबाव' की नीति के तहत प्रतिबंध लगा दिए।

जेसीपीओए को फिर से लागू करने के लिए बातचीत अप्रैल 2021 में ऑस्ट्रिया के वियना में शुरू हुई। हालांकि कोई विशेष सफलता नहीं हो पाई।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।